संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -150 मंगलवार, 02 अप्रैल 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

हिन्दू पूजा-पाठ विरोधी याचिका खारिज

पूजा और नमाज अपनी-अपनी जगह रहें जारी,तहखाने में पूजा की अनुमति याचिका पर : सीजेआई

नई दिल्ली, 01अप्रैल 2024 (ए)। वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के दक्षिणी तहखाने में हिंदू पूजा-पाठ पर रोक लगाने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार खारिज कर दी। यह याचिका ज्ञानवापी मस्जिद के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूजा और नमाज अपनी-अपनी जगह जारी रहें। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। जिसमें मस्जिद परिसर के अंदर हिंदुओं द्वारा धार्मिक अनुष्ठानों पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया था। ज्ञानवापी मामले पर वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि वाराणसी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में व्यास परिवार द्वारा दायर आवेदन में 31 जनवरी 2024 से व्यास का तहखाना में पूजा करने की मिली अनुमति का विरोध किया गया। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष के पक्ष में फैसला सुनाया। वकील ने बताया कि अंजुमन इंतजामिया ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक नोटिस जारी किया है और हमें 30 अप्रैल तक अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने आज की तारीख की स्थिति बरकरार रखने को भी कहा है... सुप्रीम कोर्ट ने व्यास का तहखाना पर होने वाली प्रार्थनाओं पर कोई रोक नहीं लगाई है।

यथास्थिति बनाए रखना उचित

सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि 17 जनवरी और 31 जनवरी के आदेशों के बाद मुस्लिम समुदाय द्वारा नमाज निर्बाध रूप से पढ़ी जाती है और हिंदू पुजारी द्वारा पूजा की पेशकश तहखाना के क्षेत्र तक ही सीमित है। इसलिए इसे यथास्थिति बनाए रखना उचित है। ताकि दोनों समुदायों को उपरोक्त शर्तों के अनुसार पूजा कर सकें।

क्या है ज्ञानवापी मस्जिद विवाद ?

दरअसल, अगस्त 2021 में वाराणसी की एक निचली अदालत में ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर में श्रृंगार गौरी और कुछ अन्य देवी-देवताओं के दर्शन-पूजन की अनुमति की मांग वाली याचिका दायर हुई। दावा किया गया कि देवी-देवता प्लॉट नंबर 9130 में मौजूद हैं, जो विवादित नहीं है। सर्वे कराके पूरे मामले को सुलझाने की मांग उठी। करीब 8 महीने बाद अप्रैल, 2022 को कोर्ट ने सर्वेक्षण करने और उसकी वीडियोग्राफी के आदेश दे दिए। ज्ञानवापी मस्जिद की प्रबंधन समिति मस्जिद इंतजामिया ने कई तकनीकी पहलुओं के आधार पर इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी, जिसे अदालत ने नामंजूर कर दिया। सर्वे के दौरान मस्जिद के वजूखाने में एक ऐसी आकृति मिली है, जिसके शिवलिंग होने का दावा किया गया। इसके बाद, मस्जिद को सील कर दिया गया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद में नमाज जारी रखने जाने का आदेश सुनाया। यह कोई पहली बार नहीं था कि ज्ञानवापी मस्जिद और काशी विश्वनाथ को लेकर विवाद समाने आया हो। इससे पहले, साल 1991 में एक मामला दर्ज हुआ था। जिसमें दावा किया गया था कि मस्जिद जहां बनी है, वो काशी विश्वनाथ की जमीन है। इसलिए मुस्लिम धर्मस्थल को हटाकर, उसका कब्जा हिंदुओं को सौंपा जाए।

संक्षिप्त खबरें

वित्त मंत्रालय ने आयकर व्यवस्था में किसी नए बदलाव का किया खंडन

नई दिल्ली, 01अप्रैल 2024 (ए)। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि 1 अप्रैल, 2024 से आयकर व्यवस्था में कोई नया बदलाव नहीं होगा, जैसा कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा बताया जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नई कर व्यवस्था से जुड़ी भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, इसलिए यह स्पष्ट किया जाता है कि 1 अप्रैल, 2024 से कोई नया बदलाव नहीं होने जा रहा है।

असित नाथ तिवारी ने भी छोड़ी कांग्रेस पार्टी

पटना , 01अप्रैल 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद बिहार कांग्रेस को लगातार झटका लग रहा है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने पार्टी छोडी, तो सोमवार को

पार्टी के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने पार्टी से त्यागपत्र दे दिया।तिवारी ने प्रदेश अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में कहा है कि वे सिर्फ पार्टी के प्रवक्ता पद से नहीं, बल्कि पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा व्यक्तिगत कारणों से है। पार्टी के किसी नेता या कार्यकर्ता से उनको कोई शिकायत नहीं है।

आरएलडी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सद्दीकी ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 01अप्रैल 2024 (ए)। राष्ट्रीय लोक

दल (आरएलडी) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। सिद्दीकी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मैंने अपना त्यागपत्र राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी को को भेज दिया है।

शराब घोटाला मामला में अरविंद केजरीवाल को 15 दिनों के लिए जेल भेजा

नई दिल्ली, 01अप्रैल 2024 (ए)। शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। उन्हें 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पेशी के लिए कोर्ट में जाते समय अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी जो कर रहे हैं, वो देश के लिए अच्छा नहीं है। केजरीवाल की प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत आज यानि 1 अप्रैल को खत्म हुई। इसके बाद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा की कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने आज अरविंद केजरीवाल की रिमांड नहीं मांगी और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए कहा।

ईडी ने मांग की कि अरविंद केजरीवाल को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा जाए, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। श्वष्ठ ने कोर्ट को बताया कि केजरीवाल ने डिजिटल डिवाइस के पासवर्ड नहीं दिए। केजरीवाल का आचरण असहयोगात्मक रहा है और वह गोल-मोल जवाब दे रहे हैं, ज्यादातर सवालों का जवाब नहीं पता।

केजरीवाल ने पूछताछ में लिया आतिशी और सौरभ भारद्वाज का नाम, ईडी का बड़ा दावा

आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री की न्यायिक हिरासत के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर अर्जी में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल ने अपने बयान में दावा किया है कि आरोपियों में से एक विजय नायर आप नेता आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था, उन्हें नहीं। आप के पूर्व संचार प्रभारी विजय नायर को जांच एजेंसी ने दक्षिण के समूह के सदस्यों के. कविता, सरथ रेड्डी, राघव मगुंटा, और मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी तथा अन्य आप नेताओं मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के साथ आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया था।ईडी की न्यायिक हिरासत की अर्जी में कहा गया है, गिरफ्तार व्यक्ति (सीएम केजरीवाल) से हिरासत में पूछताछ के दौरान, उनके कई बयान दर्ज किए गए। हिरासत में पूछताछ के दौरान वह गोल-मोल जवाब देते और जानकारी छिपाते पाए गए।

आयकर विभाग से कांग्रेस को राहत

मामले की सुनवाई जून तक टाल दी जाए और चुनाव के बाद होगी सुनवाई

नई दिल्ली,01 अप्रैल 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव से पहले ही आयकर विभाग ने कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। आयकर विभाग ने 3500 करोड़ रुपये का रिकवरी नोटिस जारी किया था। इसी बीच अब कांग्रेस को बड़ी राहत मिली है। आयकर विभाग ने सोमवार को कोर्ट से कहा कि वह लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेगा। विभाग ने कोर्ट से कहा कि मामले को जून तक के लिए टाल दिया जाए और चुनाव के बाद ही सुनवाई की जाए।आयकर विभाग ने कोर्ट से यह भी कहा है कि हम लोकसभा चुनाव के दौरान किसी भी पार्टी की परेशानी नहीं बढ़ाना चाहते। अब कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। कांग्रेस ने पहले आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार आयकर विभाग का इस्तेमाल कर पार्टी को अस्थिर करना चाहती है। कांग्रेस ने भी कहा था कि लोकसभा चुनाव से पहले जानबूझकर ऐसी कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा ने की राहुल गांधी की शिकायत

नई दिल्ली, 01अप्रैल 2024 (ए)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानों की शिकायत की है। भाजपा ने राहुल गांधी द्वारा लगातार और बार-बार इस तरह के बयान देने का हवाला देते हुए चुनाव आयोग से नोटिस देने की बजाय कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। भाजपा ने आयोग से राहुल गांधी के भाषण पर रोक लगाने की भी मांग की है। चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग के सामने कई बातें रखी है। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन की रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि लोकसभा चुनाव एक फिक्स्ड मैच की तरह है, केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग में अपने व्यक्ति बैठा

दिए हैं। राहुल गांधी ने ईवीएम के मिसयूज़ को लेकर भी बातें कही, जबकि, चुनाव आयोग कई बार यह कह चुका है कि ईवीएम को टेम्पर नहीं किया जा सकता है। पुरी ने राहुल गांधी के बयान की आलोचना जारी रखते हुए आगे कहा कि उन्होंने भाजपा पर संविधान और लोगों को मिले संवैधानिक अधिकारों को छिनने का गलत आरोप लगाया। राहुल गांधी ने देश के टुकड़े-टुकड़े होने और देश में आग लगने की बात भी कही, जो आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हताशा में इस तरह के बयान दे रहे हैं। पुरी ने आगे बताया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार के रवैए की भी चुनाव आयोग से शिकायत की है। वहीं, भाजपा राष्टीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार लगातार संवैधानिक संस्थाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ असंसदीय बयान दे रहे हैं।

केंद्र द्वारा केरल की उधार सीमा पर लगाई रोक हटाने से एससी का इनकार

मामला सोंविधान पीठ के पास भेजा

नई दिल्ली, 01अप्रैल 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल सरकार द्वारा राज्य की उधारी पर केंद्र द्वारा लगाई गई सीमा को चुनौती देने वाले मामले में अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।
न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार द्वारा दायर याचिका को सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज दिया।
पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार के इस दलील से सहमत हैं कि जिन राज्यों में पिछले वर्ष उधार लेने की सीमा का अधिक उपयोग हुआ है, वहां अगले वर्ष अधिक उधार लेने की सीमा में कटौती होनी चाहिए।

गौरतलब है कि केरल सरकार ने केंद्र द्वारा पेश 5,000 करोड़ रुपये के एकमुश्त बेलआउट पैकेज को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि कानून के तहत वह 10,000 करोड़ रुपये उधार लेने की हकदार है।

चक्रवाती तूफान से 5 की हुई मौत

कोलकात्ता,01अप्रैल 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के जलपाईगुड़ी जिले के कुछ हिस्सों में आए तूफान के कारण मरने की वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। इस तूफान में 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

जिला मुख्यालय शहर के अधिकतर हिस्सों और पड़ोसी मैनागुड़ी के कई इलाकों में ओलावृष्टि के साथ तेज हवाएं चलने से कई झोपड़ियां और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। बनर्जी ने रविवार देर रात जिले का दौरा किया और लोगों को प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, ''अब तक, हमारे पास पांच लोगों की मौत होने की खबर है। घायलों की संख्या काफी अधिक है। मैंने घायलों और तूफान में मारे गए लोगों के परिजन से मुलाकात की। राज्य प्रशासन पीड़ित परिवारों की मदद के लिए हर संभव कोशिश करेगा।'' मुआवजे के बारे में पूछे जाने पर बनर्जी ने कहा, ''आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकती। आपको जिला प्रशासन से बात करनी होगी।'' तूफान के कारण राजारहाट, बार्निश, बकाली, जोरपाकड़ी, माधबडांगा और सप्तीबारी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं एवं कई एकड़ क्षेत्र में लगी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

हेमा मालिनी का विजेंदर सिंह से मुकाबला

मथुरा,01अप्रैल 2024 (ए)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और सिनेस्टार हेमा मालिनी को लोकसभा चुनाव में मथुरा में कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस ने मथुरा सीट पर हेमा मालिनी के सामने बॉक्सर विजेंद्र सिंह को टिकट देकर चुनावी मुकाबले को रोमांचक बना दिया है। वे तीसरी बार चुनावी मैदान में है। मथुरा लोकसभा जाट बाहुल्य सीट है। यहां से कांग्रेस ने विजेंद्र सिंह को मैदान में उतारकर जाट कार्ड खेला है।75 वर्षीय अभिनेत्री हेमा नरेंद्र मोदी सरकार की छवि और काम पर बहुत अधिक निर्भर हैं, साथ ही उन्हें ब्रज मंडल में चल रही हिंदुत्व लहर पर भी भरोसा है। हेमा मालिनी के खिलाफ इंडिया गठबंधन से ओलंपियन बॉक्सर विजेंदर सिंह और बहुजन समाज पार्टी से पूर्व-आईआरएस अधिकारी सुरेश सिंह मैदान में हैं।

हेमा का जाट समुदाय से समर्थन का दावा

इस निर्वाचन क्षेत्र में जाट वोटों का बड़ा हिस्सा, लगभग पांच लाख वोट हैं। हेमा मालिनी लोकप्रिय बॉलीवुड स्टार धर्मेंद्र की पत्नी होने के नाते जाट समुदाय के समर्थन का दावा करती हैं।
बॉक्सर विजेंदर सिंह हरियाणा के भिवानी से आते हैं, लेकिन मथुरा का प्रतिनिधित्व करने के इच्छुक हैं। बसपा के सुरेश सिंह सेवानिवृत्ति के बाद मथुरा में एक शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख हैं और अपने शैक्षणिक और सामाजिक कार्यों के कारण उनकी छवि साफ-सुथरी है। हेमा मालिनी मथुरा और वृंदावन की रूपरेखा बदलने और कई बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को शुरू करने में बहुत सक्रिय रही हैं। उनके नेतृत्व में मथुरा वृन्दावन तीर्थ विकास बोर्ड ने एक दर्जन विकास कार्य किए हैं। श्रीकृष्ण भक्त हेमा मालिनी मथुरा से सांसद के रूप में अपने कार्यकाल में अपने अधूरे एजेंडे को पूरा करने की इच्छुक हैं।
स्थानीय लोगों की शिकायतों की एक लंबी सूची भी है, जिनमें प्रमुख यह है कि हेमा अपने निर्वाचन क्षेत्र की तुलना में मुंबई में ज्यादा समय बिताती हैं। कई लोग उन्हें वृन्दावन, गोवर्धन और बरसाना में यमुना की सफाई, औद्योगिक विकास और भीड़ प्रबंधन जैसे काफी समय से लंबित स्थानीय मुद्दों को हल करने में विफलता के लिए दोषी मानते हैं।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को मथुरा में स्थानीय बुद्धिजीवियों को संबोधित करते हुए चुनाव प्रचार शुरू किया।उन्होंने संकेत दिया कि मथुरा अब ध्यान का केंद्र होगा और वृन्दावन की संकरी गलियां बदलाव की हकदार हैं। मथुरा में 26 अप्रैल को मतदान है

सीपीआई ने चार सीटों पर उतारे प्रत्याशी

रांची ,01अप्रैल 2024 (ए)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने झारखंड में इंडिया गठबंधन से नाता तोड़कर चार सीट – चतरा, लोहरदगा, पलामू और दुमका में अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। पार्टी की प्रदेश इकाई ने गठबंधन में एक भी सीट नहीं मिलने पर यह फैसला किया।
पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर जारी पत्र के अनुसार, पलामू से अभय भुइयां, लोहरदगा से महेंद्र उरांव, चतरा से अर्जुन कुमार और दुमका से राजेश कुमार किस्कू प्रत्याशी बनाए गए हैं। पार्टी के सचिव महेन्द्र पाठक और पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने बताया कि पार्टी कुछ और सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी और अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी।

हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट का झटका

शुभकरण की मौत मामले की न्यायिक जांच के आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली, 01अप्रैल 2024 (ए)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के खिलाफ पंजाब-हरियाणा सीमा पर प्रदर्शन के दौरान एक 22 वर्षीय किसान शुभकरण की कथित तौर पर पुलिस की गोली लगने से मौत मामले में उच्च न्यायालय की ओर से दिये गये न्यायिक जांच के आदेश को चुनौती देने वाली हरियाणा सरकार की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।यह युवक केंद्र सरकार से अपने फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने का कानून लागू करने की मांग को लेकर पंजाब-हरियाणा सीमा पर आंदोलन करने वाले किसानों में शामिल था।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने हरियाणा सरकार की यह दलील कि उच्च न्यायालय के आदेश से पुलिस बल के मनोबल पर असर पड़ेगा, खारिज करते हुए कहा कि इस आशंका (मनोबल गिरने का) का कोई आधार नहीं है। पीठ ने कहा कि न्यायिक जांच के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने वालों के पास कुछ वास्तविक आशंकाएं हैं।
पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने आंदोलनकारी किसान की मौत के मामले की जांच के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश और दो अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) की एक समिति गठित करने का आदेश पारित किया था। न्यायालय ने यह आदेश सात फरवरी को दिया था। शीर्ष अदालत की पीठ के समक्ष हरियाणा सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी थी कि जांच के आदेश से पुलिस बल के मनोबल पर असर पड़ेगा।

संपादकीय

गलत सूचनाओं पर रोक जरूरी

सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को उस अधिसूचना पर रोक लगा दी जिसके तहत पत्र सूचना ब्यूरो के अधीन एक फैक्ट चेकिंग यूनिट (तथ्यों की जांच करने वाली इकाई) की स्थापना की जानी थी। न्यायालय ने कहा कि इस पर तब तक रोक रहेगी जब तक बंबई उच्च न्यायालय सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में संशोधनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला नहीं सुना देता।इस बीच गूगल और मेटा जैसी डिजिटल क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां चुनाव के दौरान गलत सूचनाओं के प्रसार का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही हैं। वे जांच के लिए नए टूल विकसित करने और तथ्यों की जांच करने वालों (फैक्ट चेकर) को प्रशिक्षण देने के अलावा दोनों अन्य संस्थानों द्वारा संचालित तथ्यों की जांच संबंधी पहलों में भी शामिल होंगी और भारत निर्वाचन आयोग के साथ तालमेल में काम करेंगी।2019 में सभी बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने अपने-अपने स्तर पर गलत सूचनाओं को रोकने का प्रयास किया था और उसके मिलेजुले नतीजे सामने आए थे। 2024 में यह अभियान अधिक तालमेल के साथ चलाया जा रहा है। 40 से अधिक बड़े बहुराष्ट्रीय संस्थानों ने म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और इस बात पर सहमति जताई कि वे 2024 में वैश्विक स्तर पर मिलकर चुनावों से संबंधित गलत जानकारियों का मुकाबला करेंगे। जोखिम बहुत बढ़ गया है क्योंकि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस अब राजनेताओं से जुड़ी वास्तविक प्रतीत होने वाली दृश्य-श्रव्य सामग्री बना सकता है। इन डिजिटल दिग्गजों को विभिन्न समाचार माध्यमों के साथ तालमेल में काम करना होगा ताकि भ्रामक सूचनाओं को रोका जा सके, मतदाताओं से हस्तक्षेप सीमित हो सके और विभिन्न प्लेटफॉर्म पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि मेटा के पास फेसबुक, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम का मालिकाना है जबकि गूगल के पास यूट्यूब और अपना सर्च इंजन है। इससे जुड़ी रणनीतियों में स्वतंत्र फैक्ट चेकर और स्थानीय सामग्री रचनाकारों और प्रकाशकों के साथ जुड़ाव, तथ्यों की जांच, जांच के संसाधन और गलत सूचनाओं को लेकर चेतावनी जारी करने के लिए सहयोगी मंच प्रदान करना शामिल है। इरादा ऐसी सामग्री को वायरल होने से रोकना है। मेटा पहले ही गलत सूचनाओं को हटा देता है।इसमें मतदान को प्रभावित करने वाली तथा हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री शामिल है। उसका दावा है कि उसके पास 15 भारतीय भाषाओं में स्वतंत्र तथ्य जांचने वालों का नेटवर्क है। उसके पास व्हाट्सऐप हेल्पलाइन है जो संदिग्ध जानकारियों को रिपोर्ट करने या उनकी पुष्टि करने में मदद करता है। गूगल प्रकाशकों के लिए एक साझा भंडार तैयार करेगा ताकि गलत सूचनाओं से निपटा जा सके। कई भाषाओं और स्वरूपों में, जिनमें वीडियो भी शामिल हैं, फैक्ट चेक को साझा किया जाएगा और गूगल के साझेदारों की मदद से उन्हें बढ़ावा दिया जाएगा।दोनों कंपनियां फैक्ट चेकिंग के उन्नत तरीकों को लेकर प्रशिक्षण का आयोजन करेंगी। इसमें डीप फेक का पता लगाना और गूगल फैक्ट चेक एक्सप्लोरर और मेटा कंटेंट लाइब्रेरी की शुरुआत शामिल है। तथ्यों की जांच करने वाले सामग्री के बारे में कह सकते हैं कि उनसे छेड़छाड़ की गई है। ऐसी सामग्री को छांटकर बाहर कर दिया जाएगा।फेसबुक का दावा है कि वह गूगल, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी और शटरस्टॉक आदि की एआई की मदद से तैयार सामग्री का पता लगाने के लिए उपाय विकसित कर रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और थ्रेड पर अक्सर इन माध्यमों की सामग्री ही प्रकाशित की जाती है।जरूरत इस बात की भी है कि मेटा पर विज्ञापन देने वाले यह बताएं कि कब वे एआई की मदद से सामग्री तैयार कर रहे हैं। यह सामग्री राजनीतिक या सामाजिक विषयों से जुड़ी हो सकती है। यह उस सामग्री पर रोक लगाता है जिसे फैक्ट चेकर नकारते हैं। वह ऐसे विज्ञापनों को भी रोकता है जो मतदान को हतोत्साहित करते हैं। अगर गलत सूचनाओं के खिलाफ अभियान को प्रभावी बनाना है तो यह आवश्यक होगा कि झूठी सामग्री का तत्काल पता लगाकर उसे हटाया जाए ताकि वह वायरल न हो सके। ऐसे उपकरणों का बिना किसी पूर्वग्रह के इस्तेमाल करना होगा। फैक्ट चेकिंग के उपायों का दुरुपयोग करके किसी खास राजनीतिक हलके की सामग्री को रोक देना भी आसान हो सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ये उपाय तथा ऐसे अन्य उपाय प्रभावी साबित होंगे और उन्हें बिना किसी भय या पक्षपात के लागू किया जाएगा।

बेटियों को भी मिले उचित सम्मान

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

पिछले कुछ वर्षो में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़कियां सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और

समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियाँ अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए।

बालिकाओं का कोख में तो कत्ल कर उन्हे धरती पर आने से पहले ही मारा जा रहा है। उससे भी घिनोना काम जिन्दा बालिकाओं के साथ किया जा रहा है। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेड़िये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा।

सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। बालिकाओं पर अत्याचार करने वालों के मन में भय व्याप्त करने के लिये सरकार को कानून में और अधिक सुधार करना चाहिये। बालिकाओं को कई प्रकार के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है।

समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। एक शिक्षित लड़की ही अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती है। कानूनी सुरक्षा बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लड़कियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए भी उतना ही आवश्यक है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें।

हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है। उन्हें कम से कम सुविधाओं, अधिकारों और उन्नति के अवसरों में रखा जाता रहा है, इसी कारण महिलाओं की परिस्थिति अत्यन्त निचले स्तर पर है ।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

विकास और प्रतिष्ठा के आधार पर मतदान की संभावना

चुनावी काल की राजनैतिक सरगर्मियों के मध्य विदेशी ताकतों के व्दारा देश की आन्तरिक व्यवस्था पर टिप्पणियों का दौर प्रारम्भ हो गया है। दुनिया की व्यवस्था की स्वयंभू ठेकेदारी सम्हालने वाले भारत के स्वरूप को अपने ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास करने लगे हैं। स्वाधीनता के बाद की इण्डिया का भारत के रूप में कायाकल्प होते ही अहंकार में डूबे हथियारों के विक्रेताओं के माथे पर बल पडने लगा है। कभी हमारी न्याय व्यवस्था को रेखांकित करने की कोशिशें होतीं हैं तो कभी आरोपियों की वकालत की जाने लगती है। जग जाहिर है कि दुनिया भर के जालसाज-भगोडों का कवच बनने वाले राष्ट हमेशा से ही अन्य देशों पर शिकंजा कसने के लिए दबाव बनाकर लाभ का अवसर तलाशते रहते हैं। आतंकवाद को पर्दे के पीछे से सहयोग करके संसार में अस्थिरता पैदा करने वाले हथियारों के निर्यातक देश दूसरों के कन्धों पर बंदूक रखकर गोली चलने में माहिर है। ऐसे षडयंत्रकारी भूभाग वर्तमान में भारत की नीतियों, व्यवस्था और विकास के कारण आन्तरिक रूप से व्यथित हैं। स्वाभिमान के शिखर की ओर अग्रसर होने वाले भारत में आत्मविश्वास का सूर्य चमकने लगा है। देश के साथ वैमनुष्यता रखने वालों के हाथों में कटोरे आते जा रहे हैं। वहां की अभाव भरी जिन्दगियों ने आन्तरिक विद्रोह की राह पकड ली है। चीन की चालों में फंसे कई देशों की कराह निकलने लगी है। वे दिवालिया होने होने की कगार पर पहुंच गये हैं। ऐसे में विश्वगुरु के सिंहासन की ओर बढते भारत के कदमों पर सकारात्मक राष्ट्रों व्दारा पंखुडियां बिछाने, प्रोटोकाल तोडकर वहां के राष्ट्राध्यक्षों व्दारा अगवानी करने तथा सर्वोच्च सम्मान देने से आतंक को संरक्षकों के सीने पर सांप लोटने लगे हैं। मुस्लिम राष्ट्रों में भी साम्प्रदायिक सौहार्द स्थापित करने की दिशा में भारत के साथ कदमताल करने के संकेत दे दिये हैं। वसुधैव कुटुम्ब कम की अवधारणा तले विश्व विरादरी जमा होने लगी है। सर्वे भवन्तु सुखिनः के अनुष्ठानिक संकल्प दोहराये जाने लगे हैं। वर्तमान

भारतवर्ष का ऊर्जा चक्र विश्व संघर्षों पर पूर्णविराम लगाने लगा है। वर्तमान के लोकसभा के चुनावी काल में ही रूस और यूक्रेन जैसे राष्ट्रों ने एक साथ भारत को आमंत्रित किया है। दौनों पक्षों के विश्वास है कि भारत की पहल पर ही विश्व शान्ति सम्भव है। दूसरों के मामलों में चौधरी बनने के मंसूबे पालने वालों को मुंहतोड जवाब मिलते ही उनके सिपाहसालार मासूसी के दलदल में डूबने लगे हैं। आर्थिक अपराध, सामाजिक अपराध, संवैधानिक अपराध, मानवीय अपराध के पुराधाओं को सलाखों की सौगात मिलते ही उनके संरक्षक बौखला उठे। देश की स्वतंत्र संस्थाओं की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह अंकित करके वे अपने कलेजे को ठंडा करने की कोशिश में हैं। संयुक्त राष्ट्र की पत्रकार वार्ता में भारत के आन्तरिक मुद्दों पर बंगलादेशी पत्रकार से प्रश्न उठवाने वाले एक तीर में दो निशाने करना चाहते थे। अमेरिका, जर्मनी के व्दारा भारत के आन्तरिक मुद्दों पर ज्ञान देने की श्रंखला को संयुक्त राष्ट्र संघ तक पहुंचने की कोशिश के साथ-साथ भारत-बंगलादेश की दोस्ती को संदेह के दायरे में लाने का लक्ष्य भी शामिल था। आश्चर्य होता है कि बंगलादेशी पत्रकार व्दारा किन्हीं खास कारणों से पूछे गये प्रश्न को हमारे देश के अनेक मीडिया हाउस स्वयं की सुर्खियां बनाने में जुट गये। दूसरों की सोच को समर्थन देने के पीछे की मंशा को देश हित की पहल नहीं कहा जा सकता। संस्थान विशेष का पत्रकार अपने नियुक्तकर्ता के सिध्दान्तों का अनुशरण करता है, उनकी नीतियों के अनुरूप प्रश्न करता है और वहीं प्रकाशित-प्रसारित भी करता है। यदि कोई अन्य संस्थान उसी प्रश्न को उठाता है तो निश्चय ही उसकी सोच भी प्रश्नकर्ता की सोच से सहमत होगी। ऐसे में राष्ट्रहित, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीयता पर ही प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं। इन दिनों हाथों में हरा झंडा थामकर लाल सलाम करने वालों के षडयंत्र उजागर होने लगे हैं जिन्हें दबाने हेतु काले लबादा का सहारा लिया जाने लगा है। दबाव की राजनैतिक चालों से देश के वातावरण में अराजकता फैलाने के प्रयास एक बार फिर तेज कर दिये गये हैं। मीर जाफर को आदर्श मानने वाले स्वयं के हित के लिए देश की अस्मिता को सौदा करने लगे। कभी निर्वाचन आयोग पर सवालिया प्रहार होते हैं तो कभी न्यायपालिका के क्रियाकलापों को संदेह की नजरों से देखा जाता है। शिक्षा के मंदिरों में राजनैतिक अलाव जलाया जाने लगा। शिक्षा माफियों की एक बडी जमात फर्जी अंकसूचियों के आधार पर असामाजिक तत्वों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश दिलाकर वहां के वातावरण को दूषित करने में लगी है। शिक्षा प्रदान करने वाले स्थानों में देश के टुकडे करने की कसमें दिलाई जाने लगीं हैं। राजनीति को पेशा बना चुके घरानों के स्वयंभू सुप्रीमो ऐसे लोगों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़े हो जाते हैं। आज हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि जातियों के वोटों का ठेका लेने वाले लोग राजनैतिक दलों से सौदेबाजी करने में जुटे हैं। समानता का राग अलापने वाले अब जातिगत विभेद पैदा करने हेतु षडयंत्र करने में जुट गये हैं। सम्प्रदायगत भय पैदा करने वाले कट्टरवादियों व्दारा देश के विभिन्न स्थानों पर अपने गुर्गों से आतंक फैलाने की कोशिशें कर रहे हैं। कहीं आईएसआईएस से धमकी दिलाई जा रही है तो कहीं आईएसआई के समर्थकों की चुनौतियां सामने आ रहीं हैं। रमजान के महीने में भी निरीहों के खून की होली खेलने वाले अब अल्लाह के पैगाम पर मुल्लाओं के तर्जुमा को यकीनी मानकर जन्नत की हूरों के सपने देखने लगे हैं। तर्जुमा करने वालों की संतानें खुशहाल देशों में अय्यासी भरी जिन्दगी जी रहीं हैं। सुरक्षा के सात तालों में बंद होकर रहने वाले खुराफाती लोग ही दूसरों की औलादों को खुदा के नाम पर खुदकशी करने के लिए उकसा रहे हैं। दीन की तालीम के नाम पर अनेक संस्थानों में जेहाद की पढाई चल रही है। लोकसभा चुनाव में झूठी अफवाहों, मनगढन्त घटनाओं और उत्तेजनात्मक सामग्री परोसी जा रही है। वाट्सएप जैसे अनगिनत प्लेटफार्म निरंकुश होकर देश की गंगा-जमुनी संस्कृति को रेगिस्तान बनाने पर तुले हैं। निजी समूहों के नाम पर बनाये जाने वाले अनेक ग्रूप में उत्तेजनात्मक सामग्री उडेली जा रही है। कानून की धज्जियां उडाने वाले कट्टरपंथियों के ग्रुप पर काले कोटवालों की दलीलें हावी हो जातीं हैं और काजल की कोठरी के निर्माण करने वाले ग्रूप के एडमिन न्यायालय की चौखट से बेदाग बच निकलते हैं। संविधान का यही लचीलापन राष्ट्रदोहियों के लिए कवच का काम करता है। धर्म के नाम पर बनाये गये अनेक संगठनों की शक्ति का उपयोग समाज हित में न होकर कट्टरता के नाम पर जुल्म करने के लिए हो रहा है। बचपन से ही कट्टरता का पाठ पढाने वालों को देश के ईमानदार नागरिकों के खून-पसीने की कमाई से पाला जा रहा है।

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

आधी अभी बाकी है

आधा दिन गया गुजर,
आधा तो बाकी है ।
अधूरे कामों के पूर्ण होने की,
आस अभी बाकी है ।
आधी रात गई गुजर,
आधी तो बाकी है ।
अधूरी मुलाक़ात को पूर्ण करने की,
आस अभी बाकी है ।
आधी -आधी खुशियों संग,
आधी जिंदगी अभी बाकी है ।
आधे दुःख के स्वप्नों संग,
आधे सुख के सपने
अभी बाकी है ।
आधी उम्मीद टूटी तो क्या?
आधी उम्मीद अभी बाकी है ।
आधे कट गये रास्ते के साथ,
आधा रास्ता अभी बाकी है ।
आधी मंजिल मिल गई,
आधी अभी बाकी है. ....।

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा,राजस्थान।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मैं कौन हूं

आप कौन हैं?
फिर से खोजो
आपके दिमाग मे
तो तुम कौन हो?
आपसे फिर से पूछता हूँ...
बहुत सारे उत्तर
अपने मन में आओ
आप कैसे हैं ?
सोचें कि यह हमेशा सही होता है
लेकिन... अपने मन को टटोलो
तो तुम कौन हो?
समझना
आप नहीं समझे
आपका शरीर और मन
तुम्हारे साथ मना कर दिया
कुछ मिस समझते हैं...
तो ठीक है
आप कौन हैं?
यह कोई प्रश्न नहीं है
आपके और मेरे लिए उत्तर

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई, तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

परीक्षा परिणाम का इंतजार

इस वर्ष बोर्ड की पूर्ण हो गई परीक्षा।
अब सबको
परिणाम का है प्रतीक्षा।।
हर माता-पिता का एक ही है सपना।
बेहतर परिणाम लाए बच्चा अपना।।
कुछ बच्चों के मन में
है थोड़ा घबराहट।
कुछ के चेहरे में
आ रही है मुस्कुराहट।।
कुछ बच्चों का
हो जाएगा सपना पूरा।
कुछ का सपना रह जाएगा अधूरा।।
कुछ को अपनी
मेहनत पर है विश्वास।
उनको परिणाम का
हो गया आभास।।
कुछ विद्यार्थी का
पेपर बना है खास।
उनको यकीन है
वह हो जाएगा पास।।
पालक अच्छे बुरे
परिणाम पर रहे सम।
बच्चे के खराब
परिणाम पर न करे गम।।
परिणाम खराब आया
तो न होना उदास।
क्योंकि कई विकल्प
पड़े हैं तुम्हारे पास।।

श्याम सुंदर साहू राजिम
गरियाबंद छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

विस्तारवाद की चाहत के लिए खतरनाक वैश्विक युद्ध की आशंका

अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी के अनुसार अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने सचेत किया है कि रूस और चीन का सीमा विहीन गठबंधन वैश्विक शांति एवं सभ्यता के लिए खतरनाक हो सकता है। यदि पुतिन और शी जिनपिंग के बीच का गठजोड़ रूस यूक्रेन युद्ध में कारगर साबित होता है तो विश्वयुद्ध की संभावनाएं बढ़ जाएंगी और विश्व युद्ध वर्तमान की मानवीय सभ्यता के लिए एक गतिहीन अवरोध होगा। इस अरबपति अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में कहा है कि दुनिया को इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए और इसमें पूरे संसाधन झोंक देने चाहिए। वैश्विक सभ्यता को संरक्षित, पल्लवित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ और संभवत एकमात्र तरीका पुतिन को जल्द से जल्द हराना होगा। यह हमला तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत कर सकता है और हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और तहस-नहस हो जाएगी। दावा किया गया है कि पुतिन ने शी जिनपिंग को पहले से ही बता दिया था और दोनों नेताओं की बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में मुलाकात भी हुई थी दोनों ने एक लंबा बयान जारी कर घोषणा की थी कि उन दोनों के बीच संबंधों की और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। पुतिन ने सी जिनपिंग को यूक्रेन के विरुद्ध विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी दे दी थी। तब शी जिनपिंग ने पुतिन से ओलंपिक खेलों के होते तक सैन्य अभियान रोकने की बात कही थी। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की इस कार्रवाई का खुलकर विरोध किया था और युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवार ने भी रूस में अपना विरोध दर्ज किया है। पुतिन को अपनी गलतियों का अब धीरे-धीरे एहसास हो रहा है जब यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा के नागरिकों ने यूक्रेन पर हमले की घोर निंदा की है जबकि पुतिन को उनके समर्थन आशा थी जबकि ऐसा कुछ हुआ नहीं। पुतिन को अब यह एहसास हो गया है कि उन्होंने यूक्रेन पर आक्रमण करके एक बड़ी गलती की है। अब वह संघर्ष विराम के लिए पृष्ठभूमि तैयार करने में लगे हैं जो वर्तमान संदर्भों में संभव नहीं है। क्योंकि विश्व समुदाय का रूस पर भरोसा खत्म हो चुका है। अब या तो पुतिन अपनी हार छुपाने के लिए चाइना की मदद विश्व युद्ध लेंगे या फिर अपनी हार स्वीकार कर अपने पद से इस्तीफा देकर पलायन कर जाएंगे। रूस यूक्रेन युद्ध मैं आज तक कुल मिलाकर 30 लाख करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं और युद्ध खत्म होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। अमेरिका सहित नैटो देश के सदस्य और अन्य यूरोपीय सदस्य लगातार यूक्रेन की आर्थिक तथा सामरिक मदद करते आ रहे हैं और इस स्थिति में रूस ही कमजोर नजर आ रहा है क्योंकि रूस के तमाम कमांडर और सैनिकों का मनोबल अब लगातार गिरते जा रहा है, इसके पश्चात रूस के नागरिक भी इस युद्ध के अंदरूनी खिलाफ है जबकि यूक्रेन के नागरिक उसी हौसले और उत्साह के साथ अपने नेता जेलेंस्की के साथ खड़े हुए हैं। अब स्थिति यह है कि यूक्रेन के पास ना तो पैसे की कमी है ना ही हथियारों की,वह लगातार रूसी सैनिकों तथा कमांडरों का जमकर विरोध कर रहा है। ये अलग बात है कि मारियोपोल मैं इमारतों के मलबे के निकालने के पश्चात अलग-अलग जगह से चार पांच सौ दबे हुए शव को निकाला गया है। जिससे वहां जनता के बीच हाहाकार मच गया है। इस युद्ध की विभीषिका से यूक्रेन के लगभग एक करोड़ नागरिक यूक्रेन छोड़कर पोलैंड एवं अन्य देशों में शरण लेकर शरणार्थियों की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। यूरोपीय देश इन शरणार्थियों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए कृत संकल्प हैं और उन्हें किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वैश्विक राजनीति में चीन और रूस सर्वथा अलग-थलग पड़ गए हैं। ताजा स्थिति के अनुसार अमेरिका ऑस्ट्रेलिया जापान और भारत में टोक्यो सम्मेलन में चीन के बढ़ते औपनिवेशिक वाद के खतरे को भांपते हुए प्रशांत महासागर एवं तीन पेसिफिक क्षेत्र में सैन्य अभ्यास के लिए गठजोड़ कर लिया है। इसी तरह चीन के व्यापारिक फायदों को नुकसान पहुंचाने हेतु अमेरिका ने 13 देशों का एक आर्थिक समूह तैयार कर चीन को वैश्विक राजनीति और आर्थिक योजनाओं से अलग अलग कर दिया है। चीन अब क्वाड सम्मेलन को अपना विरोधी बताकर लद्दाख में अपनी सैन्य तैयारियां भारत के विरुद्ध बढ़ाने में लग गया है। 13 देशों के आर्थिक समुदाय ने भी चीन को एक खुला संदेश देकर चुनौती दे दी है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका तथा चीन के विरुद्ध आर्थिक क्षेत्र तथा सामरिक क्षेत्र में खुली प्रतिस्पर्धा मैदान में आ गई है। अमेरिका वैसे भी पूर्व से ही रूस का विरोधी रहा है अब अमेरिका चीन तथा रूसी गठबंधन को आने वाले समय के लिए एक बड़ा खतरा मानते पूरे विश्व को इन दोनों के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास कर रहा है। वैश्विक शांति और सभ्यता को नष्ट होने से बचाने के लिए इन दोनों देशों पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक भी है।

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मार्च महीने में अंबिकापुर में औसतन से तीन गुना हुई अधिक बारिश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

मार्च महीने में बार-बार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय हुआ है। 7 मार्च तक उत्तरी छत्तीसगढ़ पर सक्रिय रहा। मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट ने बताया कि इस दौरान अम्बिकापुर में 16.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। मार्च के मध्य तक पश्चिमोत्तर भारत पर एक के बाद एक चार विक्षोभ आये जिनमें से 15-16 मार्च के दौरान सक्रिय हुआ विक्षोभ अधिक ताकतवर रहा था। इस समय अरब सागर में चक्रवाती और बंगाल की खाड़ी में प्रति चक्रवाती परिसंचरण से लगातार नमी की आपूर्ति, गुजरात-राजस्थान की बढ़ती गर्मी और स्थानीय तापान्तर के कारण ओला वृष्टि की अनुकूल परिस्थितियां निर्मित होने से उत्तर छत्तीसगढ़ के कई जगहों में तेज आंधी, गरज चमक के साथ व्यापक वर्षा और ओलावृष्टि की घटनाएं देखी गई थीं। अनियमित हवाओं की उपस्थिति के कारण अम्बिकापुर सहित पूरे मध्य भारत में 5 से 6 दिनों तक बादलों की आवाजाही से दिन में उमस और शाम से देर

रात तक वर्षा का दौर चलता रहा था। इस दौरान अम्बिकापुर में 40.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। मार्च के अंतिम सप्ताह में भी दो विक्षोभ उत्तरी छत्तीसगढ़ तक पहुंचे। होली के दिन स्थानीय प्रभाव से त्वरित मौसमी बदलाव से 25 मार्च को मैनपाट एवं कुछ अन्य क्षेत्रों में व्यापक और अन्य क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी के साथ 2 से 3 मिनट तक ओलावृष्टि हुई। इस विक्षोभ के तुरंत बाद एक विक्षिभ अभी मध्य भारत के मौसम को प्रभावित कर रहा है जिससे कहीं कहीं तेज हवा, धूल भरी आंधी और वर्षा की घटनाएं देखी जा रही हैं। मार्च 24 में अम्बिकापुर में 8 दिनों में कुल 57.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई जो मार्च की औसत वर्षा 20 मिमी से लगभग तीन गुनी है।

यदि मार्च के दीर्घावधि वर्षा के आंकड़ों से तुलना करें तो ज्ञात होता है कि मार्च 24 पांचवें पायदान पर है।

मार्च में सर्वाधिक वर्षा वाले वर्ष इस प्रकार हैं

2020 - 144.8 मिमी
1998 - 106.5
1979 - 69.0
1995 - 65.6
2024 - 57.5 मिमी

अधिकतम तापमान

मार्च के औसत अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री की तुलना में इस वर्ष मार्च का औसत अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री के निगेटिव विचलन के साथ 31.6 डिग्री रहा। मार्च में अम्बिकापुर का अधिकतम तापमान 24.9? से 37.9 डिग्री के बीच विचलित होता रहा। अधिकतम तापमान का ट्रेंड मार्च के आंकड़ो और मौसमी प्रभावों की दृष्टि से सामान्य रहा।

न्यूनतम तापमान

अम्बिकापुर के मार्च के औसत न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री की तुलना में इस वर्ष औसत मासिक न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री के निगेटिव विचलन के साथ 15.3 डिग्री दर्ज किया गया जो सन 1998 के बाद अर्थात विगत 25 वर्षों में सबसे न्यूनतम है। 1998 में मार्च का मासिक औसत न्यूनतम 14.8 डिग्री था।

वन भूमि से कब्जा हटाने पहुंची टीम को करना पड़ा विरोध का सामना

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

शहर के शंकर घाट स्थित बांसबाड़ी के पास पिछले कई सालों से लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा था। लोगों द्वारा खाली जमीन पर लोहे की जाली से फेंसिंग कर कब्जा किया गया था। वन भूमि पर कब्जा कर लोग खेती व मवेशी बांधने का काम करते थे। पूर्व में एक-दो लोगों ने कब्जा किया था।

धीरे-धीरे कब्जाधारियों का दायरा बढ़ता गया। लगभग 25-30 डिसमिल भूमि पर लोग कब्जा कर रखे थे। वहीं कुछ लोग सोमवार को भी कब्जा के नियत से पहुंचे थे। इसकी जानकारी लगने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कब्जा खाली कराने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कब्जाधारियों ने वन विभाग के साथ विवाद करने लगे। दो घंट के मशक्कत के बाद कब्जा हटाया गया। बेशकीमती वन भूमि पर कब्जे को लेकर शिकायतें वन विभाग को काफी दिनों से मिल रही थी। वन विभाग द्वारा मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण न करने की समझाइश दिया गया था। इसके बावजूद भी लोग बेशकीमती जमीन पर कब्जा कर उपयोग में ला रहे थे। सोमवार की सुबह वन विभाग की टीम वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने पहुंची तो लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। कुछ लोगों का कहना था कि वन विभाग पक्षपात पूर्ण कार्रवाई कर रहा है। लोगों का कहना था कि आस पास के वन भूमि पर वर्षों से अतिक्रमण किया जा रहा है। पर विभाग वहां कार्रवाई नहीं कर रही है। इस पर वन कर्मचारी का कहना था कि संबंधित लोगों को कब्जे के आधार पर वन भूमि का अधिकार पत्र दिया गया है।

युवती से छेड़छाड़ व मारपीट कर मोबाइल लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
बतौली,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

बस स्टैंड बतौली में बस का इंतजार कर रही युवती से 28 मार्च को एक युवक ने छेड़छाडक़र व मारपीट कर उसका मोबाइल लूटकर फरार हो गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 28 मार्च को एक युवती अंबिकापुर परीक्षा देने अंबिकापुर आने के लिए बतौली बस स्टैंड में बस का इंतजार कर रही थी। तभी बाइक से एक व्यक्ति वहां आया और युवती का बाल पकडक़र छेड़छाड़ करने लगा। इस दौरान युवती को मारपीट कर उसका मोबाइल लूटकर बाइक से फरार हो गया। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट बतौली थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी खजूरपारा अंबिकापुर

निवासी सूरज विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 354, 506, 323, 392 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। उक्त कार्यवाही में थाना बतौली से प्रधान आरक्षक देवशरण सिंह, आरक्षक सुल्तान अहमद, आरक्षक एहसान फिरदौसी, आरक्षक भगलू राम पैंकरा इत्यादि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)। शादी का झांसा देकर नाबालिग लडक़ी से बलात्कार के मामले में कमलेश्वरपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम लब्ज भिट्ठी निवासी मुकेश कुमार ने शादी का झांसा देकर एक नबालिग लडक़ी से कई बार बलात्कार की घटना को अंजाम दे चुका था। 30 मार्च को पीड़िता को अपने घर ले जाकर वहां भी बलात्कार किया था। इसके बाद शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376(3) एवं पाक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

ट्रांजिट हॉस्टल उदयपुर में एक ही रात में 6 क्वॉटर के ताले तोडक़र नगद रूपयों सहित जेवरों चोरी

- संवाददाता -
उदयपुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर परिसर स्थित ट्रांजिट हॉस्टल उदयपुर में एक ही रात में 6 क्वाटर के ताले तोडक़र अज्ञात चोरों ने नगद रूपयों, पर्स, राशन का सामान,मिक्सर इत्यादि सहित जेवरों की चोरी करके ले गये । घटना की सूचना पर उदयपुर पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरी का मामला शनिवार की रात का है। घटना स्थल स्वास्थ्य विभाग के ट्रांजिट हॉस्टल उदयपुर में ग्राउण्ड फ्लोर और प्रथम तल में कुल 12 कमरे है। घटना दिनांक 30 मार्च की रात को ग्राउण्ड फ्लोर मे रहने वाले हॉस्पीटल स्टॉफ कोई नाईट ड्यूटी पर था तो कोई ड्युटी ऑफ होने पर घर नगर से बाहर थे और कुछ नर्स ईस्टर पर्व मनाने अपने ट्रांजिट हॉस्टल के कमरों का ताला लगाकर घर चले गये थे। सुने कमरों को अज्ञात चोरों ने रात में सलीके से खंगाला और जो मिला उसे लेकर चले गये । जिसके कमरे में कुछ नहीं मिला उसका सारा सामान बिखेर कर अज्ञात चोरों ने पूरा कमरा अस्त व्यस्त कर दिया।

पांच नम्बर कमरे में रहने वाली स्टॉफ नर्स व नर्सिंग इंचार्ज तृप्ति प्रधान के कमरे से चोरों ने 60 हजार नगद, तीन गले का हार सेट, दो चैन, 6 सोने की अंगुठी, चुड़ी छ- नग, गले का चैन

दो नग, चांदी का पायल 10 नग, कान का इयर रिंग 4 नग, मिक्सी तथा खाने का सामान लेकर चले गये । कमरा नम्बर तीन में रहने वाली रात सिस्टर पूजा सिंह का दो हजार नगद एक चांदी का कड़ा, कमरा नं. 6 की डॉ स्वाति कुर्रे का पांच हजार रूपये नगद तथा घर के अन्य समान, कमरा नं. 2 की डॉक्टर कांता सिंह का तीन हजार रूपये नगद घड़ी तथा घर के खाने पीने का सामान, कमरा नं. एक की नेहा टोप्पो का सोने की बाली, ग्यारह हजार रूपये नगद तथा घर का अन्य सामान, कमरा नं. 4 में डॉ. सोमेश शुक्ला के कमरे का ताला तोडक़र पूरे कमरे की तलाशी ली परंतु उनके कमरे में कुछ नहीं मिला। चोरों ने तरीके से सभी कमरों में चोरी के बाद बिस्किट मिक्चर जो मिला उसे बेड में बैठकर खाया पिया फिर आराम से निकल गये। प्रथम तल के एक कमरे में अस्पताल के लिपिक सोये हुये थे परंतु उन्हे घटना की जानकारी नहीं हुई।

चोरी के घटना की जानकारी पजा सिंह के ट्रांजिट हॉस्टल में आने के बाद रविवार को सुबह मिला, सभी कमरों के तालों को टूटा देखकर तत्काल पूजा सिंह ने सभी को खबर दी जैसे ही चोरी की घटना की जानकारी मिली सब दौड़े भागे अपने अपने कमरों में जाकर देखे तो हक्के बक्के रह गये तत्काल घटना की सूचना उदयपुर पुलिस को दी गई बड़ी चोरी की सूचना पर पुलिस द्वारा डॉग स्क्वाड की मदद ली गई परंतु पुलिस को यथोचित सफलता नहीं मिली है।

उदयपुर थाना प्रभारी कुमारी चन्द्राकर और सहायक उपनिरीक्षक दिलीप दुबे के नेतृत्व में पुलिस द्वारा घटना के दूसरे दिन सोमवार को घटना स्थल पहुंचकर सभी कमरों में रहने वाले नर्स और डॉक्टरों का बयान दर्ज किया है। उक्त चोरी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है पुलिस इसे पूरी गंभीरता से लेकर काम कर रही है। तलाशी के दौरान एक सिस्टर का पर्स कचरे के ढेर में फेंका हुआ मिला है। जिसमें से एटीएम कार्ड गायब था।

इस मामले में घटना के बाद बी.एम.ओ.के रवैये से स्टॉफ नर्स एवं डॉक्टर नाराज काफी नाराज दिखे चर्चा के दौरान दबी जुबान में नाम ना छापने की शर्त पर नर्स एवं डॉक्टर ने कहा हास्पीटल परिसर में इतनी बड़ी घटना हो गई जानकारी मिलने के बाद भी बी.एम.ओ. को रविवार को झांकने तक की फुर्सत नहीं मिली।

गनिमत ये रहा कि कोई उस दौरान वहां पर था नहीं यदि कोई अकेली महिला स्टॉफ होती और कोई घटना हो जाती तो कौन जिम्मेदार होता। पुलिस की टीम के द्वारा बयान लेने के लिए आने के बाद श्रीमान मौके पर आये और लोगों को सांत्वना देना छोड़ अपने स्टॉफ पर ही दोषारोपण करने लगे।

बेहतर कार्रवाई के लिए एएसआई व 3 आरक्षक हुए पुरस्कृत

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)। एक सप्ताह पूर्व गांधीनगर पुलिस ने देशी कट्टा व तीन नग कारतूस के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया था। बेहतर कार्रवाई के लिए एसपी विजय अग्रवाल ने सहायक उपनिरीक्षक विनय सिंह,आरक्षक हरिनाम सिंह, रूपेश प्रजापति एवं रामचन्द्र पैंकरा को प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया है। सम्पूर्ण कार्रवाई में सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए एसपी ने कर्मचारियों की उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट एकाउंट की जगह मिला दूसरा पेपर,परीक्षा किया गया रद्द

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय का एक और कारनामा सामने आया है। सोमवार को बीकॉम अंतिम वर्ष की मैनेजमेंट उकाउंट की परीक्षा होनी थी। मैनेजमेंट अकाउंट की जगह दूसरा पेपर परीक्षा हॉल में पहुंच गया। इससे आनन फानन में विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा अचानक रद्द करनी पड़ी।

विश्वविद्यालय द्वारा बीकॉम अंतिम की मैनेजमेंट अकाउंट की परीक्षा सोमवार को दोपहर तीन बजे से होनी थी। परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पेपर कॉलेजों को भेजा गया। परीक्षार्थियों को पेपर दिया गया तो पता चला की मैनेजमेंट अकाउंट की जगह किसी दूसरे विषय का पेपर पैकेट में है। जो कि उस विषय का परीक्षा पूर्व में ही हो चुका था। इसकी जानकारी लगने पर विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा परीक्षा रद्द कर दिया गया। इस मामले में विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. शरद प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि टेकिनल प्रॉब्लम होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई है। पेपर के पैकेट में कोड गलत अंकित होने के कारण ऐसा हुआ है। यह गड़बड़ी विश्वविद्यालय या किसी प्रोफेसर द्वारा नहीं हुई है। प्रिंटिंग के दौरान ऐसा हुआ है।

अंबिकापुर के सभी चौक-चौराहों पर यातायात नियमों की जागरूकता हेतु लगाया जायगा जिंगल साउण्ड सिस्टम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् सरगुजा पुलिस, नगर निगम एवं राजस्व के संयुक्त टीम शहर के विभिन्न चौक-चौराहों, सड़कों एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया।

इस दौरान लिया गया शहर के चौक-चौराहों, सड़कों, पेय जल व्यवस्था, सांकेतिक चिन्ह, रोड़ लाईट, ट्रैफिक सिग्नल, ट्रैफिक आईलैण्ड, ट्रैफिक मार्किंग, सायलेंस जोन, स्पीड ब्रेकर, एण्ट्री बोर्ड, प्रतिबंधित क्षेत्र, रिफ्लैक्टर रेडियम इत्यादि का निरीक्षण किया गया।

'ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् आज सरगुजा पुलिस, नगर निगम एवं राजस्व की एक संयुक्त टीम तैयार की गई, जिसमें पुलिस राजपत्रित अधिकारी, नगर निगम कमिश्नर की टीम, पीडब्ल्युडी के पदाधिकारी, रोड़ निर्माण एजेंसी एवं यातायात पुलिस इत्यादि के द्वारा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं सड़कों एवं यातायात व्यवस्था इत्यादि का निरीक्षण किया गया। जिसमें यातायात व्यवस्था संबंधी विभिन्न आवश्यकताओ एवं समस्याओ का जायजा लिया गया है।

सभी चौक-चौराहों पर यातायात नियमों की जागरूकता हेतु जिंगल साउण्ड सिस्टम लगाया जाने!

ट्रैफिक सिग्नल, ट्रैफिक आईलैण्ड सभी चौक-चौराहों एवं तिराहों पर बनाए जाने!

सभी चौक-चौराहों एवं

तिराहों पेयजल व्यवस्था कराये जाने! मुख्य चौक-चौराहों पर यातायात नियमों की जानकारी हेतु होर्डिंग लगाये जाने,तिराहों पर रिफ्लेक्टिव मिरर लगाये जाने,मुख्य चौक चौराहों पर ट्रैफिक बुथ बनाये जाने, सभी चौक-चौराहों एवं तिराहों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हेतु हाईमास्क लाईट लगाये जाने, सड़क पर घुम रहे सभी घुमंतु पशुओं में रिफ्लेक्टर रेडियम टेप लगाये जाने की आवश्यकता है, व काउ कैचर के माध्यम से सड़कों से हटाने की आवश्यकता है। शहर के भीतर स्थित सभी चौक-चौराहों, तिराहों एवं रिंग रोड़ में ट्रैफिक मार्किंग कराये जाने!

सभी शासकीय स्थल, हॉस्पिटल, शिक्षण संस्थानों इत्यादि स्थानों पर उचित सांकेतिक चिन्ह साईलेंस जोन, गतिसीमा इत्यादि संबंधी बोर्ड लगाये जाने!

रिंग रोड़ से शहर के भीतर आने वाले बड़े वाहनों हेतु नो-एण्ट्री जोन/प्रतिबंधित क्षेत्र संबंधी बोर्ड लगाये जाने की आवश्यकता है।

मुख्य मार्ग में मिलने वाली सभी छोटी सड़कों, चौक-चौराहों में दुर्घटनाओं से बचाव हेतु ब्रेकर लगाये जाने!

कुछ चौक-चौराहों में स्थित स्टेचू को बीच चौक से हटवाकर साईड में स्थापित कराये जाने!

बायें साईड की यातायात व्यवस्था चलते रहे इसके लिए विभिन्न चौक चौराहों में बायें साईड के रोड़ निर्माण और सुधार करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा हुई तथा स्थल भ्रमण कर स्थान तय किया गया!

आतंक का गढ़ बना पाकिस्तान,तीन महीनों में 245 हमलों में 432 लोगों की मौत,चौंकाने वाली रिपोर्ट

इस्लामाबाद,01 अप्रैल 2024। पाकिस्तान में आतंकवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं।

तीन महीने में 245 हमले, 432 लोगों की मौत

रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में 2024 की पहली तिमाही में आतंकवादी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों की कुल 245 घटनाएं हुई। इन हमलों और अभियानों में 432 लोगों की मौत हुई और 370 लोग घायल हो गए। सिर्फ तीन महीनों के भीतर 432 लोगों की मौत का ये आंकड़ा बताता है कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ बन चुका है। खासतौर पर खैबर पख्तूनख्वा और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान प्रांतों में बुरा हाल है। इन इलाकों में तीन महीनों में 90 प्रतिशत से ज्यादा मौतें हुई और 86 प्रतिशत हमले हुए। रिपोर्ट बताती है कि इन जगहों के मुकाबले पाकिस्तान के बाकी क्षेत्रों में माहौल अपेक्षाकृत शांत रहा। बाकी बचे क्षेत्रों में आठ प्रतिशत से कम मौतें हुई। पाकिस्तान में साल 2024 की पहली तिमाही में सरकारी और निजी संपत्तियों को निशाना बनाने की 64 घटनाएं हुई।

साल 2024 की पहली तिमाही में बलूचिस्तान में हिंसा की घटनाओं में 96 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि देखने को मिली।

तोशाखाना मामला

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और बुशरा बीबी को राहत,इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने निलंबित की सजा

इस्लामाबाद, 01 अप्रैल 2024। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना मामले में बड़ी राहत मिली है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को मामले में इमरान और बुशरा की 14 साल की जेल की सजा को निलंबित कर दिया है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने कहा कि सजा के खिलाफ अपील की सुनवाई ईद की छुट्टियों के बाद तय की जाएगी।

देश में आम चुनाव से कुछ दिन पहले तोशाखाना से मिले सरकारी उपहारों में कथित भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेही अदालत ने 31 जनवरी को दोनों को 14-14 साल जेल की सजा सुनाई थी। दोनों ने सजा को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले में मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक के नेतृत्व वाली दो सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के बाद सोमवार को कोर्ट ने मामले में दंपती की सजा को निलंबित कर दिया। कोर्ट ने उन्हें जमानत देकर अस्थाई राहत भी दी। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि सजा को रद्द करने और अपराध से बरी करने की अपील पर सुनवाई ईद की छुट्टियों के बाद की जाएगी।

अभी भी जेल में रह सकते हैं इमरान-बुशरा

माना जा रहा है कि इमरान खान को अभी जेल में ही रहना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें अन्य मामलों में भी दोषी ठहराया गया है। ऐसे में उनमें आरोपों से बरी होने तक उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता। इसी तरह बुशरा को भी एक अन्य मामले में दोषी ठहराया गया है।

स्कूलों के समय में बदलाव, अब सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तक लगेंगे स्कूल

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

अप्रैल माह में जिले के समस्त स्कूलों के संचालन के समय में एक अप्रैल से बदलाव किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अप्रैल माह में समस्त विद्यालयों के संचालन हेतु समय सीमा सुबह 7.30 से 11.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। आदेश के परिपालन के लिए समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों और प्राथमिक शाला व पूर्व माध्यमिक शालाओं के सभी प्रधान पाठकों को निर्देश दिए गए हैं।

07 अप्रैल तक भरे जाएंगे नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए फार्म

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में शासकीय और निजी कॉलेजों में वर्ष 2024-25 शैक्षणिक सत्र में स्नातक नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 07 अप्रैल 2024 निर्धारित कर दी गई है। बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाइट vyapam.cgstate.gov.in और vyapamaar.cgstate.gov.in/ पर ऑनलाईन 07 अप्रैल तक भर सकते है। बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 13 जून 2024 को आयोजित होगी।

- 13 जून को होगी प्रवेश परीक्षा, बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में मिलेगा प्रवेश
- अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट पर 07 अप्रैल तक ऑनलाईन कर सकेंगे आवेदन

व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के संयुक्त नियंत्रक श्री जे. सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन कोई परीक्षा शुल्क अभ्यर्थियों से नहीं लिया जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन भरने के बाद 08 अप्रैल से 10 अप्रैल तक त्रुटि सुधार की सुविधा भी रहेगी। स्कूटनी एवं प्रवेश प्रक्रिया छत्तीसगढ़ नर्सिंग पाठ्यक्रम प्रवेश नियम 2019 और संशोधन नियम 2022 के प्रावधानों के तहत की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी, काउसलिंग, आवंटन आदि छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाइट vyapam.cgstate.gov.in और vyapamaar.cgstate.gov.in / पर प्राप्त की जा सकती है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी महाविद्यालय में मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु दिलाई गई शपथ

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर के मार्गदर्शन व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के नोडल अधिकारी नूतन कुमार कंवर के नेतृत्व में जिले में लगातार मतदाता जागरुकता कार्यक्रम चलाकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से मतदान के प्रति जागरुकता फैलाने हेतु स्वीप अंतर्गत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में सोमवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी महाविद्यालय अम्बिकापुर में समस्त छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कैम्पस एम्बेसडरों को लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत- प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाई गई। प्राध्यापक एवं स्वीप नोडल श्री सुशील कश्यप ने छात्र-छात्राओं एवं नवीन मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वे अपने परिजनों के साथ-साथ, आस-पड़ोस, ग्राम के सभी मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित करें।

पेड़ पर फांसी में लटकी मिली युवक की लाश

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम करजी में सोमवार को एक युवक का फांसी के फंदे पर पेड़ से लटका शव मिला है। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। मृतक के परिजन ने हत्या का संदेह जता है। जानकारी के अनुसार ग्राम करजी के ग्रामीणों ने दरिमा पुलिस को सूचना दी कि गांव में सडक़ किनारे एक युवक का शव पेड़ पर लटका मिला है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। मृतक की पहचान करजी निवासी जितेंद्र नायक के रूप में की गई। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर पहुंचकर जांच की है। मृतक के परिजन ने हत्या का संदेह जताया है। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पत्नी के सिर पर टांगी से जानलेवा हमला,पति गिरफ्तार

- संवाददाता -

बतौली, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम बिरिमकेला में 31 मार्च को एक युवक ने अपनी पत्नी के सिर पर टांगी से जानलेवा हमला कर दिया। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सोभावती बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम बिरिमकेला की रहने वाली है। इसके घर में 31 मार्च को दशकर्म का कार्यक्रम था। दशकर्म में शामिल होने सोभावती की मां धनकुंवर भी पहुंची थी। इसी बीच शाम चार बचे सोभावती का पति प्रेमनाथ अपनी सास को घर से बाहर निकाल दिया और टांगी से अपनी पत्नी के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं सोभावती की मां धनकुंवर ने दामाद के खिलाफ मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण कायम रखने हेतु आबकारी एक्ट की कार्यवाही जारी

- सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने एवं उपद्रव फैलाने के मामले में की गई कार्यवाही
- चार मामलों में कुल 10 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही
- आबकारी एक्ट की धारा 36(च), 36(च)(1) के तहत् कार्यवाही
- थाना कोतवाली एवं गांधीनगर पुलिस द्वारा की गई सख्त कार्यवाही
- सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत आबकारी एक्ट की कार्यवाही रहेगी जारी

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत जिले में शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण कायम रखने हेतु आबकारी एक्ट के तहत सख्त कार्यवाही जा रही है। इस प्रकार की कार्यवाही से असामाजिक तत्वों पर रोकथाम की जा सकेगी, एवं आमजनों में डर का माहौल नहीं रहेगा। इसी क्रम में ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत दिनांक 31/03/2024 को थाना कोतवाली एवं गांधीनगर पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों एवं उपद्रव फैलाने के मामले में कुल 04 मामलों में 10 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 36(च), 36(च)(1) के तहत् कार्यवाही की गई है।

उक्त मामलों में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा कुल 03 मामलों में अ ल ग - अ ल ग सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने से कुल 08 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 36(च) की कार्यवाही की गई है। एवं थाना गांधीनगर पुलिस द्वारा कुल 01 मामलें सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन कर लोगों के मन में क्षोम पैदा करने से कुल 02 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 36(च)(1) की कार्यवाही की गई है।

सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण बनाये रखने हेतु आबकारी एक्ट की कार्यवाही लगातार की जावेगी, इससे असामाजिक तत्वों पर रोकथाम की जा सकेगी।

भीषण गर्मी में अधिवक्ताओं को 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक काला कोट पहनने से मिली छूट

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

राज्य अधिवक्ता परिषद कार्यकारिणी समिति छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भीषण गर्मी से अधिवक्ताओं को काला कोट पहनने की बाध्यता से राहत हेतु 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक छूट प्रदान की गई है। संशोधित अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 49 (1) (जीजी) के तहत अधिवक्ताओं द्वारा पहनी जाने वाली पोशाकों के नियमों में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों, अधीनस्थ न्यायालयों, न्यायाधिकरणों या प्राधिकरणों में उपस्थित होने वाले वकील ऐसा पोशाक पहनेंगे, जो शांत और गरिमामय होगा। जिसके तहत -

अधिवक्ता

(ए) एक काले बटन वाला कोट, चपकन, अचकन, काली शेरवानी और एडवोकेट गाउन के साथ सफेद बैंड।

(बी) एडवोकेट गाउन के साथ एक काला खुला ब्रेस्ट कोट, सफेद शर्ट, सफेद कॉलर, कठोर या मुलायम और सफेद बैंडाकिसी भी स्थिति में जींस को छोड़कर लंबी पतलून (सफेद, काला, धारीदार या ग्रे) धोती पहनें। बशर्ते कि सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय, सत्र न्यायालय या सिटी न्यायालय के अलावा अन्य न्यायालयों में बैंड के बजाय काली टाई पहनी जा सकती है।

महिला वकील

(ए) काली पूरी बांह की जैकेट या ब्लाउज, सफेद कॉलर सख्त या मुलायम, सफेद बैंड और एडवोकेट्स गाउन के साथ।

सफेद ब्लाउज, कॉलर के साथ या बिना, सफेद बैंड के साथ और एक काले खुले ब्रीड कोट के साथ...

(बी) साड़ी या लंबी स्कर्ट (सफेद या काला या कोई हल्का या हल्का रंग बिना किसी प्रिंट या डिजाइन के) या फ्लेयर (सफेद,

काला या काली धारीदार या ग्रे) या पंजाबी पोशाक चूड़ीदार कुर्ता या सलवार कुर्ता दुपट्टे के साथ या बिना दुपट्टे के (सफेद या काला) या काले कोट और बैंड के साथ पारंपरिक पोशाक। - उच्चतम न्यायालय में उपस्थित होने के अलावा अधिवक्ताओं का गाउन पहनना वैकल्पिक होगा या उच्च न्यायालयों में.

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट को छोड़कर गर्मियों के दौरान काला कोट पहनना अनिवार्य नहीं है। उपरोक्त संशोधित नियम के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट को छोड़कर, गर्मियों के दौरान काला कोट पहनना अनिवार्य नहीं है।

उच्च न्यायालय के अधीनस्थ न्यायपालिका को 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक नियम IV का पालन करने कहा गया है। सचिव स्टेट बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ अमित कुमार वर्मा के द्वारा इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। इस पत्र में भारतीय विधिज्ञ परिषद नई दिल्ली द्वारा ड्रेस कोड के संबंध में पारित नियम के अधीन धारा 49 (1) (जी) (जी) अंतर्गत अधिवक्ता अधिनियम 1961 के नियम 4 के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य विधिज्ञ परिषद द्वारा अधिवक्ताओं को ग्रीष्मकालीन अवकाश के समय न्यायालय में उपस्थिति हेतु कोट पहनने से छूट प्रदान की गई है। इस संबंध में छग उच्च न्यायालय के अधिनस्थ न्यायालयों में व्यवसायरत अधिवक्ताओं को दिनांक 1 अप्रेल 2024 से 15 जुलाई 2024 तक न्यायालय में उपस्थिति के समय काला कोट पहनने से छूट प्रदान किए जाने का उल्लेख किया गया है।

एमसीएमसी की पेड व फेक न्यूज पर कड़ी नजर

- संवाददाता -

सूरजपुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव को लेकर जिले में स्थापित मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी की विभिन्न इकाई के द्वारा लगातार पेड व फेक न्यूज पर कड़ी नजर रखी जा रही है। गठित समिति के अंतर्गत प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल व एफएम रेडियो इकाई कार्य कर रही है। जिनके माध्यम से पेड व फेक न्यूज पर प्रति दिन 24/7 मॉनिटरिंग की जा रही है। जिसमें प्रत्येक इकाई के प्रभारी अधिकारी व उनके सहायक दिए गए दायित्वों का पालन कर रहें है।

जिला निर्वाचन अधिकारी रोहित व्यास ने एमसीएमसी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मीडिया सर्वव्यापी है, निर्वाचन के समय इसका सदुपयोग हो यह आवश्यक है। चुनाव के दौरान प्रत्याशी या कोई अन्य इसका दुरुपयोग न कर सकें इसके लिए जिले में एमसीएमसी स्थापित की गई है। जिसके माध्यम से पेड व फेक न्यूज के साथ साथ चुनाव प्रक्रिया के दौरान मीडिया उल्लंघन (आदर्श आचार संहिता व निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन) के मामले की निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही समिति के द्वारा राजनीतिक प्रकृति के विज्ञापनो का पूर्व प्रमाणन भी किया जाना है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव प्रबंधन में मीडिया की भूमिका बहुत अहम होती है, इसलिए यह आवश्यक है की मीडिया, भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन का पालन करे और सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

सेन्ट्रल बैंक के ग्राहकों का 20, 57, 600 रूपये छलपूर्वक ठगी करने वाले आरोपी कमिशन एजेंट को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

छल की रकम से आरोपी ने भूमि खरीदी, दुकान-मकान बनवाया तथा ट्रेक्टर खरीदने में दिए पैसे

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

दिनांक 25.12.2023 को अम्बिकापुर निवासी अधिवक्ता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया धनंजय मिश्रा ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि अभिषेक प्रताप सिंह जो सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा महगंवा जिला सूरजपुर का व्यवसायिक प्रतिनिधि है जो कमिशन एजेंट के रूप में कार्य करता है जो बैंक का कर्मचारी नहीं है। शिकायतकर्ताओं से उनके खाते में रकम जमा कराने के नाम पर पैसे लेकर उनके खाते में प्राप्त राशि जमा नही करायी गई हैं। उक्त मामले कि जांच दौरान शिकायतकर्ताओ के आवेदन पत्र एवं जमा पर्ची का निरीक्षण करने में पाया कि अभिषेक प्रताप सिंह के द्वारा अपने कार्य में लापरवाही करते हुए शिकायतकर्ताओ से प्राप्त राशि को उनके खाते में जमा नहीं करायी गई है। जिससे सेन्ट्रल बैंक शाखा महगंवा को भारी नुकसान हुआ तथा अभिषेक प्रताप सिंह को व्यक्तिगत लाभ हुआ हैं जो प्रथम दृष्टया करीब 20, 57, 600 रूपये का नुकसान होना प्रदर्शित होता है। अभिषेक प्रताप सिंह के द्वारा जमाकर्ताओ की रशि की छलपूर्वक अपने पास रख लिया तथा फर्जी एवं कुटरचना कर बैंक की फर्जी सील एवं दस्तावेज तैयार किया है। रिपोर्ट पर धारा 420 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने लंबित मामलों की समीक्षा उपरान्त फरार चल रहे आरोपियों की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर पुलिस मामले की विवेचना करते हुए आरोपी की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर की सूचना पर आरोपी अभिषेक प्रताप सिंह पिता विजय कुमार निवासी ग्राम खोड थाना ओडगी को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि बैंक में जो ग्राहक जमाकर्ता पैसे जमा करने के लिए आते थे उसका जमा पर्ची में बैंक का सील लगाकर अपना हस्ताक्षर कर पावती दे देता था और पैसे को अपने पास रख लेता था। बैंक ग्राहको से जो रकम मिला उस रकम से गांव में अपने पिता के नाम से जमीन खरीदा हैं, मकान-दुकान बनवाया है तथा चाचा के नाम से महेन्द्रा ट्रेक्टर खरीदने में पैसे दिया है। आरोपी के निशानदेही पर सील, जमीन क्रय करने संबंधी दस्तावेज एवं महेन्द्रा ट्रेक्टर को जप्त किया गया। आरोपी के द्वारा घटना को अंजाम देना स्वीकार करना एवं बैंक का कर्मचारी न होते हुए भी बैंक ग्राहकों से रकम लेकर बैंक का सील व अपना हस्ताक्षर कर कुटरचना कारित करना तथा कुटरचित हस्ताक्षर युक्त जमापर्ची को ग्राहको को देना पाये जाने से प्रकरण में धारा 419, 467, 468, 471 भादसं जोड़ी जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एसआई संदीप कौशिक, पियुष चन्द्राकर, प्रधान आरक्षक विवेकानंद सिंह, इसित बेहरा, आरक्षक सुशील मिंज, रामप्रसाद पैकरा व महिला आरक्षक नीता भण्डारी सक्रिय रहे।

ब्राह्मण समाज ने होली मिलन समारोह का किया आयोजन

- संवाददाता -
सुरजपुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी ब्राह्मण समाज कोरिया के द्वारा शगुन गार्डन खांड़ा में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया,समारोह में बड़ी संख्या में शामिल होकर सामाजिक जनों ने कार्यक्रम को सफल बनाया। भगवान परशुराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया,जिसके बाद मंचीय परिचय हुआ। अगली कड़ी में वक्ताओं ने समाज के संगठित रहने की बात कहकर कहा कि ऐसे आयोजनों से मतभेद दूर होकर भाईचारा कायम होता है। मुख्य अथिति एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक बीएन झा ने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव ही दिशा दिखाने का कार्य करता है, अपने विवेक व बुद्धिमत्ता से एक आदर्श स्थापित किया है। श्री झा ने लोगो से अपील किया कि वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कार्य करें। अन्य वक्ताओं ने समाज के युवाओं में व्याप्त व्यसनों को दूर करने का आह्वान किया साथ ही समाज को शिक्षा एवं रोजगार पर चर्चा की गई। मंचीय उद्बोधन पश्चात एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की बधाई, शुभकामनाएं दी गई। युवा वर्ग ने होली का भरपूर आनंद लिया और एक दूसरे को जमकर रंग गुलाल लगाया। इस दौरान राजेश पांडेय एवं सुमन पांडेय ने गीतों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सब एरिया मैनेजर आर पी मिश्रा, खान प्रबंधक बीके पांडेय, पंडित सूर्य नारायण त्रिपाठी, राकेश पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष जय नाथ बाजपेई, शैलेष तिवारी, डाक्टर राकेश शर्मा, के डी त्रिपाठी, महेंद्र पांडेय, डाक्टर विनय शुक्ला, बृजेश पांडेय, रविशंकर शर्मा, बाल्मिकी दुबे, पंडित सुरेश मिश्रा, देवदत्त त्रिपाठी, पंडित सुयश देव शास्त्री, जिलाध्यक्ष बृज नारायण मिश्रा, योगेंद्र मिश्रा, ध्रुव नाथ तिवारी, धनेंद्र मिश्रा, शैलेंद्र शर्मा, एनपी गौतम, नरेश तिवारी, चंद्रशेखर अवस्थी, आर पी गौतम, सतेंद्र तिवारी, शंभू शुक्ला, रुद्र मिश्रा, राहुल मिश्रा, अखिलेश द्विवेदी, अभिषेक द्विवेदी, विवेकानंद चौबे, विभूति तिवारी, मनोज शुक्ला, अभय दुबे, अमित दुबे, पूरन चौबे, अनिल पांडेय, अतुल शुक्ला, नितिन शर्मा, करुणा त्रिपाठी, कान्हा गौतम, सिद्धिविनायक पांडेय, राजेश पांडेय, राकेश मिश्रा, निर्मल पांडेय, रामलखन गौतम, भोलू तिवारी, योगेश मिश्रा, हिमांशु अवस्थी, रामप्रकाश तिवारी, अनुराग तिवारी, निलेश पांडेय, सिब्बू मिश्रा, पिंटू तिवारी, प्रमोद अवस्थी, प्रमोद तिवारी, रूपेश तिवारी, शिवसागर तिवारी, वंदना शर्मा, ममता तिवारी, सविता मिश्रा, नेहा चौबे, सुनील दुबे, कृष्णबिहारी दुबे, संतोष त्रिपाठी, सुनील मिश्रा, कौशलेंद्र तिवारी समेत बड़ी संख्या में विप्र बंधु परिवार समेत शामिल हुए।

कलेक्टर ने सेवानिवृत तिथि के दिन ही किया समस्त स्वत्वों का भुगतान

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर डी. वेंकट के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा के अभिनव पहल पर विकासखण्ड खड़गवां की दो शिक्षिकाएं श्रीमती रेणु गल्होत्रा प्रधान पाठक शा.मा.शाला छोटेकलुआ एवं श्रीमती प्रसन्न कुमारी केरकेट्टा उच्च श्रेणी शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गेल्हापानी 31 मार्च 2024 को अर्द्धवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने के फल स्वरूप पेंशन अदायगी आदेश एवं सेवानिवृत से संबंधित समस्त स्वत्वों का भुगतान सेवानिवृति तिथि को कलेक्टर ने प्रदान करते हुए उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्रीमती रेणु मल्होत्रा 16 अक्टूबर 1986 से सहायक शिक्षक के पद पर विकासखण्ड लखनपुर में पदस्थ थी और 31 मार्च 2024 को विकासखण्ड खड़गवां के माध्यमिक शाला छोटेकलुआ में प्रधान पाठक के पद पर कार्य करते हुए 37 वर्ष 5 माह एवं 16 दिन सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुई। इसी प्रकार श्रीमती प्रसन्न कुमारी केरकेट्टा 27 अगस्त 1983 से सहायक शिक्षक विकासखण्ड बैकुण्ठपुर में पदस्थ थी, और 31 मार्च 2024 को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गेल्हापानी विकासखण्ड खड़गवां से 40 वर्ष 07 माह 05 दिन से सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुई। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बलविन्दर सिंह, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोहित व्यास के निर्देशन व जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी साहू एवं जिला स्वीप सहायक नोडल श्री राम ललित पटेल के मार्गदर्शन में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुर में मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के तहत आज हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा के उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के आए जिले के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रचार प्रसार कर, मतदाता जागरूकता लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए शत प्रतिशत मतदान करने के लिये शपथ ग्रहण कराया गया। इस दौरान सहायक संचालक (शिक्षा) रविन्द्र सिंह देव, विकासखंड परियोजना अधिकारी जयराम प्रसाद, सुदर्शन दास, अजय देवांगन एवं बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर के प्राचार्य लेफ सिंह एवं समस्त मूल्यांकन कर्ता शिक्षक उपस्थित रहे।

शा. बालक उ.मा.वि. में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शिक्षकों को दिलाया गया शपथ

- संवाददाता -
सूरजपुर, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

» हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा के उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के लिए आए जिले के सभी शिक्षक रहे शामिल

अत्यधिक गर्मी पड़ने के कारण स्कूल समय में परिवर्तन

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़, 01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं जिले में पड़ रहे अत्यधिक गर्मी के कारण छात्रहित का ध्यान रखते हुए 02 अप्रैल 2024 से निम्नानुसार जिले के समस्त शालाओं शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं के संचालन हेतु समय निर्धारित किया गया है। दो पाली में संचालित होने वाली शालाएं प्रथम पाली सोमवार से शनिवार प्रातः 07:30 बजे से 11:00 बजे तक, दो पाली में संचालित होने वाली शालाएं द्वितीय पाली सोमवार से शनिवार अपरान्ह 11:30 बजे से 04:30 बजे तक तथा एक पाली में संचालित होने वाली शालाएं सोमवार से शनिवार प्रातः07:30 बजे से 11:30 बजे तक संचालित होगी।

एनटीपीसी ने कोयला प्रेषण में 55% वृद्धि दर्ज की

- संवाददाता -
कोरबा,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

भारत की अग्रणी एकीकृत बिजली उपयोगिता एनटीपीसी लिमिटेड ने पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024 के दौरान अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला प्रेषण में 55त्न की पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है।

कंपनी ने 31 मार्च 2024 के अंत तक 34.15 एमएमटी का प्रभावशाली कोयला प्रेषण हासिल किया और कोयला उत्पादन लगभग 50त्न की वृद्धि के साथ 34.38 एमएमटी हो गया। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कोयला उत्पादन में निरंतर वृद्धि हासिल करने के लिए, एनटीपीसी ने कई रणनीतियों और प्रौद्योगिकियों को लागू किया है। इनमें कठोर सुरक्षा उपायों को अपनाना, बेहतर खान योजना, उपकरण संचालन, कार्यबल प्रशिक्षण और निरंतर निगरानी और विश्लेषण प्रणालियों का कार्यान्वयन शामिल है। इन पहलों ने संचालन को अनुकूलित करने, उत्पादकता बढ़ाने और कार्यबल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनटीपीसी राष्ट्र को विश्वसनीय और टिकाऊ बिजली प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोयला उत्पादन और प्रेषण में यह उल्लेखनीय वृद्धि परिचालन उत्कृष्टता के प्रति एनटीपीसी के समर्पण और भारत की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में उसके योगदान का प्रमाण है। कंपनी अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने और देश के ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ प्रथाओं का पता लगाना जारी रखेगी।

लू से बचाव एवं प्रबंधन हेतु दिशा-निर्देश जारी

- संवाददाता -
बलरामपुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने की लू के लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में अवश्य जाने की अपील

राज्य शासन के निर्देशानुसार लू से बचाव एवं प्रबंधन हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। जिसके अंतर्गत कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने भीषण गर्मी पड़ने पर लू से बचाव हेतु जन-सामान्य को उसके लक्षणों की पहचान एवं उपाय तथा प्रारंभिक उपचार हेतु जागरूक किया है, ताकि उक्त परिस्थिति में ऐसे व्यक्तियों को बचाया जा सके। लू से बचाव के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह ने जन सामान्य से अपील की है कि लू के मुख्य लक्षण जैसे सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का ना आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना लू लगने का प्रमुख कारण है निम्न लक्षण दिखाई देने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में इसका उपचार अवश्य करायें। इसके साथ ही तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यतः नमक की कमी होता है। लू से बचाव के लिए निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए। अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जावे, धूप में निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें, पानी अधिक मात्रा में पीये, अधिक समय तक धूप में न रहें, गर्मी के दौरान नरम, जलवायु सूती के कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे अधिक पसीना आने कि स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीये। चक्कर आने, मितली आने पर छायादार स्थान पर आराम करें एवं शीतल पेयजल उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मट्ठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में निशुल्क परामर्श लिया जाये। लू लगने पर किया जाने वाला प्रारंभिक उपचार बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठंडे पानी की पट्टी लगावें, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलायें, पीड़ित व्यक्ति को शीघ्र किसी नजदीकी स्वास्थ्य संस्था व अस्पताल में ईलाज के लिए ले अवश्य जायें।

सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् प्रकरण के आरोपियों की धरपकड़ एवं गिरफ्तारी जारी

उद्घापन के मामले में तीन आरोपी को किया गया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

» आरोपियों द्वारा रास्ता रोककर गंदी-गंदी गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देकर घटना को दिया अंजाम

» आरोपियों द्वारा फोन-पे के माध्यम से प्रार्थी से लिए गये 30200/- रूपये।

» आरोपियों के कब्जे से मशरूका राशि 30200/- रूपये बरामद।

» चौकी कुन्नी पुलिस द्वारा मामले में की गई सख्त कार्यवाही।

सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् प्रकरण के आरोपियों की धरपकड़ एवं गिरफ्तारी की कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में चौकी कुन्नी में उद्घापन व रास्ता रोककर गंदी-गंदी गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है, जिनके कब्जे से मशरूका राशि भी बरामद की गई है।

मामले का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है, कि दिनांक 01/04/2024 को प्रार्थी आनंद राम पिता स्व. घासी राम निवासी रनपुर, थाना कापू, जिला रायगढ़ के द्वारा इस आशय का रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 30/03/2024 को शाम 06.00 बजे उसके गांव के चैतराम एक्का के साथ ग्राम जयपुर जाकर रामनारायण पैंकरा से 02 जोड़ी बैल 34700/-रूपये में

खरीदकर हल जुताई के लिए गांव ले जा रहे थे। उसी दौरान चौकी कुन्नी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम तिरकेला के पास तिरकेला निवासी दिनेश साहू, नरेन्द्र साहू और जवाहिर यादव तीनों द्वारा उनका रास्ता रोककर गंदी-गंदी गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने लगे। और आरोपियों द्वारा डराने-धमकाने लगे और पैसे का मांग किये जिससे प्रार्थी डर से अपने सखी भतीजा को फोन कर आरोपी दिनेश साहू के फोन-पे में कुल 30200/- रूपये ट्रांसफर कराया गया। जिसपर से सदर धारा 384, 294, 506, 341, 34 भादसं का अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण पंजीबद्व उपरांत पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपियों दिनेश साहू, नरेन्द्र साहू व जवाहिर यादव तीनों निवासी तिरकेला, चौकी कुन्नी, थाना लखनपुर, जिला सरगुजा को तलब किया गया, जिन्हें पुलिस हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ किया गया, जिनके द्वारा जुर्म करना स्वीकार किये, और आरोपियों के कब्जे से मशरूका राशि बरामद किया गया। जिनकी गिरफ्तारी कर रिमाण्ड पर भेजा गया।

मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी में चौकी कुन्नी से प्रधान आरक्षक सुरजीत कोरी, आरक्षक महेन्द्र राजवाड़े, आरक्षक रामरूप यादव, आरक्षक विकास केरकेट्टा इत्यादि कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

CMYK

प्रतापपुर राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिली भगत... से अवैध कब्जाधारियों के हौसले हुए बुलंद

मामला अमन दोन,बाबा पारा,मिशन रोड सहित कई अन्य जगहों में अवैध कब्जा बेदस्तूर जारी...

- सोनू कश्यप -
प्रतापपुर,01 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर के नगरीय क्षेत्र में लंबे समय से शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का खेल बेदस्तूर जारी है। पर राजस्व विभाग सब कुछ जानते हुए भी कार्रवाई के नाम पर मौन धारण किए हुए है। ऐसा नहीं है कि शासकीय भूमि पर चल रहे अवैध कब्जे की कोई शिकायत नहीं हुई है। शिकायतें तो होती हैं पर राजस्व विभाग कब्जा हटाने की कार्रवाई न करते हुए केवल संबंधितों से जुर्माना भरवाकर खानापूर्ति कर लेता है।

अब इसी क्रम में प्रतापपुर-अंबिकापुर मार्ग जिसे मुख्यतः खड़गवां रोड के नाम से जाना जाता है वहां स्थित मिशन चौक से थोड़ा सा आगे जाने पर बाईं ओर एक पुराना शासकीय भवन व गोदाम है जहां की करोड़ों रुपए की शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने का खेल बदस्तूर जारी है। गौरतलब है कि वर्षों पूर्व इस शासकीय भवन में कृषि विभाग का कार्यालय संचालित होता था साथ ही यहां मौजूद गोदाम का उपयोग कृषि विभाग द्वारा कृषि बीज व अन्य कृषि उपकरण रखने में किया जाता था। पर कुछ वर्ष पूर्व शासन ने न?ए बस स्टैंड के बगल में कृषि विभाग के लिए एक न?ए भवन का निर्माण कराया जहां कृषि विभाग को यहां से हटाकर स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद से ही यहां का शासकीय भवन व गोदाम दोनों उपयोगहीन अवस्था में पड़े हैं। इसी बात का फायदा अब अतिक्रमणकारियों द्वारा जमकर उठाया जा रहा है। गोदाम के सामने व उसके अगल बगल में मौजूद शासकीय भूमि पर कई लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर गुमटी व कच्चे मकान निर्मित कर लिए हैं। इतना ही नहीं अतिक्रमणकारी अपने बुलंद हौंसले का परिचय देते हुए अब गोदाम के बाईं ओर के हिस्से में बिलकुल सटाकर एक भवन का भी निर्माण कर रहे हैं। भवन निर्माण के लिए बकायदे नींव खोदकर पक्की दीवार भी उठाई जा रही है। कुल मिलाकर अवैध कब्जा कर गोदाम को चारों ओर से घेरा जा रहा है ताकि बाद में गोदाम को तोड़कर वहां की भूमि को भी कब्जा करने योग्य बनाया जा सके। वहीं कुछ अज्ञात लोगों ने जिस भवन में कृषि विभाग का कार्यालय संचालित होता था उसके कुछ हिस्से को तोड़कर उसमें लगे दरवाजे व खिड़कियां भी उखाड़ कर पार कर दी हैं। साथ ही भवन के सामने स्थित भूमि पर भी अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। अब तो स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि पूरे भवन को ही धीरे धीरे तोड़कर जमींदोज किया जा रहा है ताकि वहां की भूमि पर भी कब्जा किया जा सके। जबकि सुरक्षा की दृष्टि से भवन के चारों ओर तारबंदी भी की गई थी पर शातिर लोगो ने भवन के पीछे की तारबंदी को काटकर रास्ता बनाया और भवन में लगे खिड़की दरवाजों को पार कर दिया। बता दें कि गोदाम व भवन के चारों ओर बड़ी बड़ी झाड़ियां भी उगी हुई हैं। झाड़ियों की आड़ के कारण भी अतिक्रमणकारियों को अवैध कब्जे को अंजाम देने में काफी आसानी हो रही है। क्योंकि झाड़ियों के कारण दूर से देखने पर गोदाम व भवन पर जल्दी से किसी की भी नजर नहीं पड़ती है। अब तक भवन व गोदाम के आसपास की लगभग 50 डिसमिल से भी ज्यादा क्षेत्रफल की शासकीय भूमि पर कब्जा कर लिया गया है। कब्जा की गई भूमि का बाजार भाव करोड़ों में है। पर अभी तक इस अवैध कब्जे के खेल पर प्रशासन की नजर नहीं पड़ने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

कृषि विभाग ने झाड़ा पल्ला

बड़े ही आश्चर्य का विषय है कि जिस भवन में कृषि विभाग का कार्यालय संचालित होता था उस भवन के खिड़की दरवाजे चोरी हो गए पर कृषि विभाग ने जानकारी होने के बावजूद आज तक इस मामले की कोई भी सूचना पुलिस को नहीं दी और न ही भवन व गोदाम के सामने हुए अतिक्रमण की सूचना राजस्व विभाग को दी। इस संबंध में जब कृषि विभाग से जानकारी ली गई तो बताया गया कि पूर्व में वहां कृषि विभाग का कार्यालय संचालित होता जरुर था पर वहां की जमीन कृषि विभाग की नहीं है और न ही वहां निर्मित भवन व गोदाम कृषि विभाग के थे। फिर यह भवन व गोदाम आखिर किस प्रयोजन से बनाए गए थे इस सवाल का जवाब देने में भी कृषि विभाग ने असमर्थता जताते हुए मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया।

इस विषय में एसडीएम ललिता भगत ने कहा कि जहां-जहां अवैध अतिक्रमण और कब्जा किया जा रहा है शासकीय भूमि पर तत्काल तहसीलदार राय पटवारी को निर्देशित कार्यवाही करने का अनुशंसा करती हू मामले की जांच कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

ललिता भगत
एसडीएम प्रतापपुर

तहसीलदार पुष्पराज पात्रे ने कहा कि जहां-जहां शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा अतिक्रमण नगरीय एवं ग्रामीण छेत्र में है। कार्रवाई की जाएगी।

प्रा.शा.बालक आश्रम केतका की छात्रा का चयन नवोदय विद्यालय में

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

होनहार बिरवान के होत चिकने पात कहावत को चरितार्थ करते हुए प्राथमिक शाला बालक आश्रम केतका की छात्रा कुमारी आयुषी ने नवोदय विद्यालय की चयन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय व ग्राम का नाम रोशन किया है।संस्था के प्रधान पाठक राकेश शुक्ला जी ने बताया कि छात्रा प्रारंभ से ही मेघावी थी, उसने अपने कठिन परिश्रम से नवोदय विद्यालय में चयनित होकर ये सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।संकुल प्रभारी शिवमंगल सिंह ने छात्रा के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए छात्रा को मार्गदर्शन प्रदान करने वाले विद्यालय परिवार व उनके माता-पिता को बधाई देते हुए बच्ची के उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुमारी आयुषी ग्राम केतका के कामेश्वर सिंह व सरिता सिंह की पुत्री है।आयुषी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ अपने गुरुजनों रविन्द्र सिंह, शबीना मिंज, देविका वैष्णव व सहपाठियों को दिया।आयुषी के चयन से विद्यालय व ग्राम में हर्ष का माहौल है।

विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से दिया जा रहा मतदाता जागरूकता का संदेश

- संवाददाता -
कोरबा,01 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर महाविद्यालयों में निरंतर स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के मध्य नारा लेखन, रंगोली, पेंटिंग, निबंध, भाषण, वाद-विवाद, नुक्कड़-नाटक, मानव श्रृंखला जैसे गतिविधियां आयोजित कर उन्हें मतदान की महत्ता की जानकारी दी जा रही है। साथ ही लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, अपने घर-परिवार, गली-मोहल्ले, बसाहटों में मतदान की उपयोगिता के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय कोरबा एवं शासकीय

नवीन महाविद्यालय पाली में मतदाता जागरूकता के तहत स्वीप गतिविधि का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में महाविद्यालय के अध्ययनरत् विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मिनीमाता कॉलेज में छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता से संबंधित सुंदर व आकर्षक रंगोली का निर्माण कर मतदान के प्रति लोगों में जागरूकता का संचार किया। इसी प्रकार नवीन महाविद्यालय पाली में मतदाता जागरूकता के विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित कर छात्र-छात्राओं के मध्य मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आगामी चुनाव में निश्चित रूप से वोट देने एवं अन्य मतदाताओं को भी मतदान हेतु प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

बलात्कार पीड़िता को अस्पताल देखने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री

20 अक्टूबर 2023 को ग्राम गनपतपुर के ठिहाईपारा जंगल में युवती के साथ हुआ था बलात्कार

- बलात्कार के बाद 11 हजार वोल्ट करंट के चपेट में आई युवती...
- 20 दिन जिला अस्पताल बैकुंठपुर में रही भर्ती, फिर अपनी मर्जी से चले गये घर
- 22 फरवरी 2024 को रायपुर के एक निजी अस्पताल में कराया गया भर्ती
- स्वास्थ्यमंत्री की पहल पर मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से 22 लाख रू. राशि उपचार के लिये हुई स्वीकृत

- संवाददाता -
खड़गवां,01 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्यमंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की संवेदनशील पहल के चलते एक 19 वर्षीय युवती की जान बच सकी। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से 22 लाख रू. राशि स्वीकृत कराई जा चुकी है। इस पीड़िता को देखने आज सुबह 10:30 बजे स्वास्थ्यमंत्री श्री जायसवाल स्वयं पचपेढ़ी नाका चौक स्थित निजी अस्पताल पहुंचे व पीड़िता का हाल जाना।

20 अक्टूबर 2023 को एक दिल दहला देने वाली घटना ग्राम गनपतपुर के ठिहाईपारा जंगल में हुई। युवती के प्रेमी ने ही उसके साथ धोखा किया और जंगल बुलाकर युवती के साथ बलात्कार किया। इस दौरान हुई झुमा-झटकी में युवती 11 हजार वोल्ट के करंट के तार की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से झुलस गई। उसे इसी हालत में छोडकर दोनो आरोपी युवक फरार हो गये। कुछ समय बाद जंगल में कुछ लोगों ने युवती को अचेत अवस्था में देखा और घटना की सूचना पुलिस को दी गई, साथ ही युवती को बैकुंठपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस बीच पुलिस ने बलात्कार का मामला दर्ज कर आरोपी निलेश कुमार (कथित प्रेमी) एवं उसका साथी बेचन साय यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

जिला अस्पताल से 20 दिनों बाद परीजनों ने करा ली छुट्टी

गंभीर हालत में जिला अस्पताल बैकुंठपुर में भर्ती बलात्कार पीड़िता युवती के परिजनों ने खुद ही उसकी छुट्टी करा उसे घर ले गये। घर में उसकी सही देखभाल न हो पाने के कारण वह सेप्टीसिमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हो गयी। युवती की हालत दिन ब दिन बिगड़ती चली गई।

आई.ओ.सी.एल. के एक अधिकारी ने की मदद

गंभीर हालत में घर में पड़ी युवती को उपचार के लिये रायपुर के किसी अच्छे अस्पताल में पहुंचाने के लिये आई.ओ.सी.एल. के एक स्थानीय अधिकारी ने पहल की। स्थानीय जिला प्रशासन की सक्रियता के बाद गंभीर हालत में युवती को रायपुर लाया गया। इस दौरान युवती ऑक्सीजन पर थी और उसका हीमोग्लोबिन 2 ग्राम पहुंच चुका था, उसके पूरे शरीर में संक्रमण फैल चुका था। उसके बचने की आस समाप्त हो गई थी। 22 फरवरी 2024 को कई घंटों के अथक प्रयासों के बाद भी युवती किसी भी शासकीय अस्पताल में भर्ती नही हो पाई। इसके बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुये पचपेढ़ी नाका के आगे एक निजी बर्न युनिट में भर्ती करा दिया गया।

आज अचानक स्वास्थ्यमंत्री खुद पहुंच गये अस्पताल

स्वास्थ्यमंत्री श्री जायसवाल आज अचानक बलात्कार पीड़िता युवती का हाल जानने खुद अस्पताल पहुंचे। उन्होने युवती के परिजन से मुलाकात कर हाल चाल पूछा। साथ ही बलात्कार पीड़िता युवती से मिलने आईसीयू तक गये। वहां उन्होने युवती से बातचीत कर उसे ढ़ांढस बंधाया। साथ ही उसके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की।

अभी होने है कुछ और ऑपरेशन

पीड़िता युवती की हालत में बहुत सुधार आ चुका है। उसका हिमोग्लोबिन 10 ग्राम हो गया है और वह अब बातचीत भी करने लगी है। निजी अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार अभी युवती को लगभग एक माह और भर्ती रहना पडेगा। इस दौरान उसके कुछ और ऑपरेशन होंगे।

जानकारी होते ही स्वास्थ्यमंत्री ने शासकीय योजना से पूरे उपचार की पहल की

स्वास्थ्यमंत्री श्री जायसवाल ने मामले की जानकारी होते ही त्वरित कार्यवाही करते हुये मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से 2 किश्त में लगभग 22 लाख रू. राशि उपचार के लिये स्वीकृत कराई।

कोरबा जिले में विशेष अभियान चलाकर दो दिनों में कुल 143 स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंट तामील किया गया

- 37 साल और 32 साल से फरार वारंटी को भी विशेष अभियान के तहत पकड़ा गया...

- संवाददाता -
कोरबा,01 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर बेसिक पुलिसिंग के तहत जिले में शांति व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण के लिए फरार वारंटियों के विरुद्ध विशेष अभियान के निर्देश दिया गया जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान एवं नेहा वर्मा के पर्यवेक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना प्रभारी के द्वारा कार्यवाही किया गया है। पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा लगातार दो दिनों से सभी थाना क्षेत्रान्तर्गत फरार वारंटियों की सूची तैयार कर थाना स्तर पर टीमें बनाई गई है जिसके द्वारा सक्रिय मुखबिरों से सूचनाओं लेकर एवं दीगर जिले के फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दिया गया। विशेष कर कई सालों से फरार वारंटियों की भी पता तलाश कर दबिश दिया गया

(गंभीर अपराध चोरी, लुट 420 आदि) में संलिप्त वारंटियों की गिरफ्तारी की गई। कोरबा पुलिस के द्वारा 50 स्थाई वारंट और 93 गिरफ्तारी वारंट कुल 143 वारंट तामील किए गए। थाना बालकों के द्वारा 37 साल और 32 साल से फ़रार 2 आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया गया। चौकी मानिकपुर के द्वारा 15 साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।थाना पसान के द्वारा 9 साल पुराने 1 स्थाई वारंटी को पकड़ कर जेल दाखिल किया। उसी तरह थाना बांगो और चौकी रजगामार के द्वारा 8 साल से फरार 3 स्थाई वारंटी को तामील किया। ज्ञात हो कि पहले भी कोरबा पुलिस के द्वारा ये अभियान चलाया गया था जिसमें कुल 173 वारंट की तामिली की गई थी। इस अभियान में जिले के सभी थाना ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और वारंटी की गिरफ्तारी इनके द्वारा किया गया। जिसमें थाना कोतवाली, मानिकपुर, बालको,उरगा,दर्री,कुसमुंडा,बाँकीमोंगरा, हरदीबाजार, दीपका, करतला, कटघोरा, बांगो, कोरबी सभी थाना के द्वारा जिले के साथ-साथ दीगर जिले में भी दबिश देकर फरार वारंटी की पता तलाश किया गया। फरार वारंटियों के खिलाफ कोरबा पुलिस के द्वारा विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202403020700211

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-स्नेहलता दास,
अनावेदक पक्षकार- नरेन्द्र लाल,

ईश्तहार

आवेदक स्नेहलता दास पत्नी स्व0 नरेन्द्रनाथ दास, निवासी मायापुर रिंग रोड,चांदनी चौक, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2351/3 रकबा 0.016 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 नरेन्द्रनाथ दास का नाम विलोपित कर फैती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/04/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/03/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202403020700244

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
कोलडिहा प.ह.न. 00053 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-तिवारी,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक तिवारी आ0 स्व0 रामलाल, निवासी ग्राम कोलडिहा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उसके संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम कोलडिहा स्थित खसरा नंबर 493 रकबा 0.77 हे0 भूमि आवेदक के पूर्वजों के नाम पर सेटलमेंट दर्ज है वर्तमान में उक्त भूमि के रकबा में त्रुटिवश 0.77 हे. के स्थान पर 0.012 हे0 दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/04/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/03/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202403020700243

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
सांडबार प.ह.न. 00024 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-नईहर साय,
अनावेदक पक्षकार- कोई नहीं

ईश्तहार

आवेदक नईहर साय आ0 स्व0 महादेव, निवासी ग्राम सांडबार, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उसके संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम सांडबार स्थित भूमि खसरा नंबर 165, 167/1 रकबा 0.646,0.239 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदक का नाम पूर्व में दर्ज था, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में आवेदक का नाम त्रुटिवश छूट गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/04/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/03/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदार-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-6-अ/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अविनाश बड़ा आ0 स्व0 विजेन्द्र, निवासी ग्राम कांतिप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम कांतिप्रकाशपुर में खसरा नंबर 55,161/8,169, 172/5, 332, 333, 335 कुल खसरा 07 कुल रकबा 2.493 हे0 स्थित है। उक्त भूमि के राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश शासकीय पट्टेदार (कृषि) अंकित हो गया है, जबकि उक्त भूमि सेटलमेंट की भूमि है। आवेदक द्वारा राजस्व अभिलेखों में त्रुटिपूर्वक अंकित शासकीय पट्टेदार (कृषि) को सुधार करते हुए भूमि स्वामी दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/05/2024 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/03/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

CMYK

बीसीसीआई करेगी आईपीएल टीम के मालिकों के साथ मुलाकात

इन बड़े मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

नईदिल्ली,01अप्रैल 2024। बीसीसीआई अभी से अगले सीजन की तैयारियों में जुट गया है। बीसीसीआई ने 16 अप्रैल को सभी आईपीएल टीमों के मालिकों को अहमदाबाद आने का न्योता दिया है। जहां वो सभी टीमों के माालिकों के साथ मीटिंग कर अगले सीजन की तैयारियों का खाका खीचेंगे। इस मीटिंग में कई बिन्दुओं पर चर्चा होनी है, जिसमें मेगा ऑक्शन, रिटेंशन, राइट टू मैच कार्ड और सैलरी कैप जैसे।

आईपीएल का 17वां सीजन जारी है, लेकिन बीसीसीआई अभी से अगले सीजन की तैयारियों में जुट गया है। बीसीसीआई ने 16 अप्रैल को सभी आईपीएल टीमों के मालिकों को अहमदाबाद आने का न्योता दिया है। जहां वो सभी टीमों के मालिकों के साथ मीटिंग कर अगले सीजन की तैयारियों का खाका खीचेंगे। इस मीटिंग में कई बिन्दुओं पर चर्चा होनी है, जिसमें मेगा ऑक्शन, रिटेंशन, राइट टू मैच कार्ड और सैलरी कैप जैसे। जिस दिन मीटिंग होगी, उस दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

आईपीएल टीमों के मालिकों को न्योता

दरअसल, क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल फ्रेंचाइजी के सभी दस मालिकों को निमंत्रण भेजा गया है। हालांकि, ये अनुमान लगाया गया है कि मालिकों के साथ उनके सीईओ और ऑपरेशनल टीमें भी आ सकती हैं। लेकिन बैठक में अहम मुद्दों को संबोधित करने की उम्मीद है। ये कथित तौर पर केवल मालिकों के लिए है। बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और आईपीएल अध्यक्ष अरुण सिंह धूमल शामिल होंगे। मीटिंग के संबंध में लेटर आईपीएल के सीईओ हेममांग अमीन ने भेजा है।

आईपीएल के नए सीजन पर होगी चर्चा अमीन ने बैठक के लिए एजेंडा निर्दिष्ट नहीं किया है, लेकिन मीटिंग इनविटेशन की अचानक प्रकृति को देखते हुए, ये उम्मीद की जाती है कि बीसीसीआई कई नीतिगत निर्णयों पर ध्या देगा, मुख्य रूप से अगले साल होने वाले मेगा ऑक्शन से संबंधित है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने क्रिकबज को बताया कि, वे आईपीएल के लिए आगे की रणीति पर चर्चा करेंगे। इस मीटिंग का सबसे बड़ा मुद्दा रिटेंशन को लेकर होगा, क्योंकि अलग-अलग फ्रेंचाइजियों को मालिक अलग-अलग विचार इस पर रखते हैं। वहीं एक फ्रेंचाइजी कितनी खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, इसको लेकर कोई स्पष्ट सहमति नहीं बनी है। इसी पर बोर्ड समाधान निकालेगी। अभी तक चार खिलाड़ियों को रिटेन करनी की अनुमति थी, जिसमें ज्यादा से ज्यादा तीन भारतीय या दो विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। आईपीएल की कुछ टीमों के मालिक चाहते हैं कि रिटेंशन की संख्या को बढ़ाया जाए। इसको लेकर टीमों का कहना है कि निरंतरता को बनाए रखने, ब्रांड और फैन बेस के कारण ज्यादा खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति मिलनी चाहिए। यहां तक की कुछ टीमों ने सजेक्ट किया है कि कम से कम 8 खिलाड़ियों को रिटेन करने का नियम होना चाहिए।

ईएसएफआई ने नेशनल ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 के लिए पंजीकरण शुरू किया

नईदिल्ली,01अप्रैल 2024। ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईएसएफआई) ने बहुप्रतीक्षित नेशनल ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप (एनईएससी) 2024 के लिए पंजीकरण खोल दिया है, जो 16वीं वर्ल्ड ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप (डब्ल्यूईसी) की यात्रा की शुरुआत है।), जो रियाद, सऊदी अरब में होगा। इंटरनेशनल ईस्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित, डब्ल्यूईसी 2024 में कुल 609 टीमें पांच गेम टाइटल - काउंटर स्ट्राइक 2 (ओपन और फीमेल), डोटा 2, ईफुटबाल सीरीज, मोबाइल लीजेंड्स बैंग बैंग (ओपन और) में अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगी। महिला), और पीयूबीजी मोबाइल। ईएसएफआई की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 11 नवंबर को शुरू होगा और इसमें पहली बार प्रत्येक गेम शीर्षक और श्रेणी में शीर्ष 8 टीमों के बीच 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का एक बड़ा पुरस्कार पूल वितरित किया जाएगा।

एनईएससी 2024 भारत भर के खिलाड़ियों को डोटा 2 (ओपन), ईफुटबॉल(ओपन), और काउंटर-स्ट्राइक 2 में ओपन और महिला श्रेणियों में अपना कौशल प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। विजेता क्षेत्रीय क्वालीफायर में आगे बढ़ेंगे, जहां वे डब्ल्यूईसी 2024 के वैश्विक फाइनल के लिए अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए अन्य एशियाई देशों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। एनईएससी 2024 की शुरुआत पर टिप्पणी करते हुए, ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा, एक ऐतिहासिक 2023 के बाद, जहां भारत ने एशियाई खेलों 2022 में अपनी शुरुआत की, हम अवसरों के एक नए साल की शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। एनईएससी 2024 के साथ। पिछले साल, हमने देश की पहली महिला सीएसजीओ क्वालीफायर की मेजबानी की थी, जहां विजेता टीम एशियाई क्वालीफायर में पहुंची थी। इस बार, हम अपने देश की प्रतिभाशाली महिला एथलीटों से और भी बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद करते हैं। कुल मिलाकर, हम क्वालीफायर के दौरान सभी ईस्पोर्ट्स खिलाड़ियों की प्रतिभा और जुनून को देखने के लिए उत्सुक हैं। एनईएससी 2023 के लिए पंजीकरण अब खुले हैं और 15 अप्रैल तक जारी रहेंगे। ऑनलाइन क्वालीफायर 18 अप्रैल से शुरू होंगे और डबल-एलिमिनेशन प्रारूप में खेले जाएंगे। चैंपियनशिप की रोमांचक कार्रवाई को ईएसएफआई के आधिकारिक यूट्यूब और फेसबुक पेज पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

संक्षिप्त खेल समाचार

केकेआर और आरआर के बीच 17 अप्रैल को होने वाला मैच हो सकता है रिशेड्यूल

कोलकाता,01अप्रैल 2024। आईपीएल 2024 में 17 अप्रैल को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स वर्से राजस्थान रॉयल्स मैच खेला जाना है। हालांकि, कोलकाता में होने वाला ये मैच रिशेड्यूल हो सकता है। बीसीसीआई इस मैच को रिलोकेट कर सकता है या फिर इसको किसी और तारीख पर करा सकता है। इस बारे में फ्रेंचाइजी टीमों, स्टेट एसोसिएशन और ब्रॉडकास्टर्स को पहले ही सूचना दे दी गई है। क्रिकबज की खबर के मुताबिक इस पर बीसीसीआई जल्द ही आखिरी फैसला ले सकता है। दरअसल, रामनवमी के चलते इस मैच को रिशेड्यूल या रिलोकेट किया जा सकता है। रामनवमी भारत में काफी धूम-धाम से मनाया जाता है और कोलकाता में अथॉरिटी इस दिन सिक्योरिटी मुहैया कराने को लेकर थोड़ा चिंतित है। इसके अलावा साथ में देश में लोक सभा चुनाव भी चल रहे होंगे, ऐसे में सभी पहलुओं को मद्देनजर रखते हुए, बीसीसीआई इस पर जल्द फैसला ले सकता है। बीसीसीआई इस मैच को कहीं और शिफ्ट करने की बजाय किसी और तारीख पर शिफ्ट करने की प्राथमिकता दे सकता है।

महिला हॉकी शिविर के लिए 60 सदस्यीय टीम में कई नए और पुराने चेहरे

नईदिल्ली,01अप्रैल 2024। गोलकीपर सविता पूनिया और फारवर्ड वंदना कटारिया जैसी अनुभवी खिलाड़ियों सहित 60 खिलाड़ी सोमवार से यहां शुरू हुए सात दिन के मूल्यांकन शिविर में भाग लिए। इस शिविर के बाद ट्रायल्स होंगे जिसके आधार पर राष्ट्रीय टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इस मूल्यांकन शिविर का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर में किया जा रहा है।

भविष्य के कोचिंग शिविर और अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए संभावित खिलाड़ियों की संख्या 33 करने के लिए 6 और 7 अप्रैल को ट्रायल्स का आयोजन किया जाएगा। हॉकी इंडिया ने बयान में कहा,'' पुणे में हाल में संपन्न हुई सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर 60 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। अब इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर करीबी नजर रखी जाएगी और फिर भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।''सभी खिलाड़ी महिला हॉकी टीम की कोच अंकिता बीएस को रिपोर्ट करेंगे जिन्हें यानेक शोपमैन के त्यागपत्र के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ियों में कई नए चेहरे भी शामिल हैं।

मूल्यांकन शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैं:-

गोलकीपर: सविता, सोनल मिंज, बिचू देवी खारीबाम, माधुरी किंडो, बंसारी सोलंकी, प्रोमिला , राम्या कुरमापु प्रधान, **डिफेंडर:** उदिता, निक्की रोपनी कुमारी, लालह्लुनमावी, प्रीति, टी सुमन देवी, अंजना डुंगडुंग, निशि यादव। **मिडफील्डर:** मोनिका, सोनिका, नेहा, महिमा चौधरी, निशा, ज्योति, सलीमा टेटे, मानश्री शेडेज, अक्षता अबासो ढेकाले, लालरुआतफेली, मरीना लालरामनघाकी, प्रभलीन कौर, मनीषा चौहान, इशिका चौधरी, रितान्या साहू, ज्योति छत्री, अजमीना कुजूर, सुजाता कुजूर , कृतिका एसपी, महिमा टेटे, ममता भट्ट, एडुला ज्योति, अनिशा डुंगडुंग, भावना खाड़े, मैक्सिमा टोप्पो

फॉरवर्ड: दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, संगीता कुमारी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुताजा दादासो पिसल, लालरिंडिकी, लालरेमसियामी, वर्तिका रावत, प्रीति दुबे, रितिका सिंह, मारियाना कुजूर, मुमताज खान, तरनप्रीत कौर, बलजीत कौर, वंदना कटारिया, दीपी मोनिका टोप्पो, काजल एस अटपडकर, मंजू चोरसिया।

सीएसके पर जीत पर खलील अहमद का बयान

अच्छी स्विंग मिल रही थी,विपक्ष को कोई मौका नहीं दिया

विशाखापत्तनम,01अप्रैल 2024।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर अपनी टीम की 20 रन की जीत के बाद, दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने कहा कि वह फ्रेंचाइजी के लिए प्रदर्शन करने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहा था। अहमद ने अपने चार ओवर के स्पैल में 5.20 की इकॉनमी रेट से 21 रन देकर दो विकेट हासिल किए। उन्होंने सीएसके के दो सलामी बल्लेबाजों - रुतुराज गायकवाड़ और रचिन रवींद्र - को क्रमशः पहले और तीसरे ओवर में आउट किया। अहमद ने कहा कि डॉ. वाई.एस. पर गेंदबाजी करते समय उन्हें अच्छी स्विंग मिल रही थी। सीएसके के खिलाफ राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम।

एक विज्ञप्ति में अहमद के हवाले से कहा गया, मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहा था। जब मैंने शुरुआत की, तो मुझे एहसास हुआ कि मुझे अच्छी स्विंग मिल रही है, इसलिए मैंने इसका समर्थन किया और प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। जैसा कि डीसी ने कहा। 26 वर्षीय ने कहा कि घरेलू क्रिकेट खेलने से उन्हें आईपीएल 2024 में आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली। जितना अधिक आप खेलते हैं, उतना अधिक आप अपने खेल को समझते हैं। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ क्योंकि मैं छह महीने से लगातार खेल रहा हूं, मुझे अपने गेम प्लान, अपने शरीर और छोटी-छोटी बातों में खेलने के प्रबंधन के बारे में समझ आया। यह सब इसी के कारण हुआ।÷ घरेलू सीज़न में, आईपीएल में आने से पहले इसने मुझे अच्छा आत्मविश्वास दिया और यह बहुत अच्छा एहसास रहा,÷ उन्होंने कहा। सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी (37*) ने अंतिम ओवर में कुछ क्लासिक विंटेज हिटिंग का प्रदर्शन किया, जिससे भीड़ में उन्माद फैल गया, फिर भी खेल उनके अंतिम ओवर की वीरता से काफी पहले ही खत्म हो गया था। धोनी के स्कोरिंग सिलसिले के बावजूद, 192 रन का बचाव करते समय डीसी गेंदबाज असाधारण थे। अजिंक्य रहाणे (45) और डेरिल मिशेल (34) ने 68 रनों की साझेदारी के साथ सीएसके के लिए चीजें शुरू करने की कोशिश की। लेकिन अक्षर पटेल ने मिशेल को आउट कर टीम को सफलता दिलाई। मुकेश कुमार ने दूसरे छोर से झपट्टा मारकर रहाणे को हटाया और दिल्ली को सीजन की पहली जीत दिलाने में मदद की।

डीसी के पृथ्वी शॉ ने एमएस धोनी के साथ खेलते हुए वापसी की

विशाखापत्तनम,01अप्रैल 2024। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में 27 गेंदों में 43 रनों की मैच जिताऊ पारी के बाद, दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने खुलकर बात की। अपनी वापसी पर और महान विकेटकीपर और भारत के विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी के साथ खेल रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स पर 20 रन की जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीज़न की अपनी पहली जीत हासिल की। इस मैच से शॉ की टीम में वापसी हुई और उन्होंने 27 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 43 रन बनाए। लगभग 160 की रन-रेट से स्कोर करते हुए, शॉ क्रीज पर वास्तव में सहज दिखे और डेविड वार्नर के साथ 93 रनों की साझेदारी की। पहले दो मैचों से बाहर रहने के बाद शॉ का यह पहला आईपीएल आउटिंग था। फ्रैंचाइज़ी के साथ उनका 2023 सीज़न बहुत ख़राब रहा, उन्होंने आठ मैचों में 13 से ऊपर के औसत और एक अर्धशतक के साथ केवल 106 रन बनाए।

बड़े मियां छोटे मियां से खूंखार विलेन पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक हुआ रिलीव

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म बड़े मियां और छोटे मियां को लेकर फैंस काफी एक्साइडेट हैं। वहीं अब फैंस के एक्साइटमेंट को दोगुना बढ़ाने के लिए अब मेकर्स ने फिल्म से विलेन के लुक से पर्दा उठा दिया है। बता दें कि फिल्म में विलेन के किरदार को तेलुगु स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन प्ले कर रहे हैं। फिल्म के नए पोस्टर्स को अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें पृथ्वीराज का खलनायक अवतार देखकर हर कोई डर जाए। वहीं पोस्टर्स के साथ पृथ्वीराज का वॉइस ओवर भी सुनाई देता है, जहां वह कहते हैं प्रलयम सर्वनाशम महाप्रलय... कहने का मतलब है कि प्रलय आने वाला है...इन पोस्टर्स को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा कि ये शैतान है. ये बहुत खतरनाक है और इसका बस एक ही लक्ष्य है...बदला। चेहरे पर मास्क,हाथ में गन और काले कलर के ओवरकोट जैकेट पहने हुए इस खतरनाक विलेन का लुक अब चर्चा में बना हुआ है। फैंस इस नए विलेन पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। किसी एक यूजर ने कमेंट में लिखा कि मैं इस मूवी को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं... तो किसी अन्य यूजर ने पृथ्वीराज को लीजेंड बताया। बता दें कि हाल ही में बड़े मियां छोटे मियां का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। ट्रेलर में अक्षय-टाइगर की जोड़ी जमकर धमाल मचाती हुई नजर आ रही है। दोनों साथ मिलकर दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन ट्रेलर के अंत में ये दोनों स्टार्स एक दूसरे के ही दुश्मन बन जाते हैं। अली अब्बास के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म ईद के खास मौके पर यानी कि 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अक्षय और टाइगर के अलावा फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन, सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फैंस सिल्वर स्क्रीन पर टाइगर और अक्षय की जोड़ी को देखने के लिए बेताब हैं।

सलमान खान ने किया करण जौहर की फिल्म द बुल से किनारा

बीते साल सलमान खान ने अपनी फिल्म टाइगर 3 के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था तो इसके बाद से ही उनकी आगामी फिल्मों को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई थी।इसी बीच सलमान और करण जौहर ने फिल्म द बुल के लिए 25 साल बाद हाथ मिला , जिससे प्रशंसक काफी उत्सुक हो गए।पहले जहां करण ने कुछ कारणों के चलते फिल्म को थोड़ा टाल दिया था तो अब सलमान ने ही इससे किनारा कर लिया है।द बुल की शूटिंग पहले बीते साल नवंबर में शुरू होनी थी, लेकिन फिर इसे दिसंबर तक टाल दिया। इसके बाद जनवरी में शूटिंग की बात सामने आई तो मालदीव विवाद के चलते फिर से बात बिगड़ गई।फिर सलमान और करण के बीच पैसों को लेकर बात नहीं बनी तो निर्माता-निर्देशक ने अभिनेता से जुलाई तक का समय मांगा।अब खबरें हैं कि सलमान ने द बुल को छोड़ साजिद नाडियाडवाला की एक फिल्म करने का फैसला किया है। रिपोर्ट के अनुसार, नाडियाडवाला, एआर मुरुगादॉस के साथ फिल्म बना रहे हैं, जो मई में ही शुरू हो जाएगी। दूसरी ओर, करण का विचार नवंबर तक द बुल की शूटिंग शुरू करने का है।सूत्र का कहना है कि शूटिंग की तारीखों में हो रहे फेरबदल से सलमान को परेशानी हो रही थी। करण और निर्देशक विष्णुवर्धन भी अभी तक सही समय तय नहीं कर पाए हैं।लिहाजा सलमान ने इस फिल्म से पीछे हटने का फैसला किया है।सूत्र के मुताबिक, सलमान ने प्रोजेक्ट में लगातार हो रही देरी के लिए किस्मत को जिम्मेदार ठहराया है। अभिनेता ने यह कहते हुए इनकार किया कि नियती नहीं चाहती कि यह फिल्म बने तो चलिए आगे बढ़ते हैं। करण सलमान की बात को समझते हैं, क्योंकि 1 साल से ज्यादा समय से तारीखों पर चर्चा करके वे नतीजे पर नहीं पहुंचे।निर्माता फिल्म के लिए एक और कोशिश कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल सलमान ने इससे दूरी बना ली है।

मानुषी छिल्लर ने ब्लैक आउटफिट में ढाया कहर,तस्वीरें देखकर फैंस हुए मदहोश

मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में मानुषी ने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और लाइट मेकअप किया है। तस्वीरों में उनका पोजिंग स्टाइल भी काफी कातिलाना है।मानुषी की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। साथ ही उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपने लुक्स से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचना बखूबी जानती हैं। वहीं उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस भी अक्सर मदहोश हो जाते हैं।मानुषी छिल्लर जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर को ये फोटोज पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक हजारों में लाइक्स आ गए हैं।फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और उनकी हॉटनेस की तारीफ कर रहे हैं। मानुषी छिल्लर जल्द ही अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगे।

बीजेपी ने कांग्रेस को चौतरफा घेरा

भाजपा ने पार्टी की दुखती रग याद दिलाई,इन मुद्दों से भूपेश बघेल को मात देने की बनाई रणनीति

रायपुर,01 अप्रैल 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उलट प्रहार के प्रयास में हैं। कांग्रेस के जातिवादी गणित के कारण संसदीय चुनाव में जिला छोड़ने को मजबूर बघेल विष्णुदेव सरकार पर आरोप लगा रहे हैं तो वहीं भाजपा दावा कर रही है कि अब बघेल भ्रष्टाचार पर स्वीकारोक्ति के भाव में फंसने लगे हैं।

भाजपा ने दुर्ग में उन्होंने एक साथ चावल मिलिंग, कोयला परिवहन और शराब घोटाले का मुद्दा उछाला। अभी तक भाजपा उन्हें महादेव सट्टा, राशन सहित प्रदेश के सभी घोटालों का संरक्षक और कांग्रेस आलाकमान का एटीएम बताती रही है।

भाजपा ने मांगी सफाई

पार्टी कार्यालय के उद्घाटन समारोह में उन्होंने साय सरकार पर प्रदेश की जनता से आय के साधन छीनने के साथ भ्रष्टाचारियों से समझौता कर लेने का आरोप लगा दिया। इसके बाद हमलावर भाजपा ने उन पर सनातन का अपमान करने का आरोप लगाते हुए भूपेश से सौम्या चौरसिया से भ्रष्टाचारी संबंधों पर सफाई तक मांग ली है।

इसमें दो राय नहीं कि सत्ता जाने के बाद से बघेल कुछ ज्यादा ही बेचैन हैं। ईडी की कार्रवाइयों के बाद ईओडब्ल्यू और एसीबी ने पहले ही चैन छीन रखी थी। एक-एक कर उनके सहयोगी घिरते जा रहे हैं।

महादेव सट्टा एप के संचालकों से 508 करोड़ रुपये लेने के आरोप में पिछले महीने उनके खिलाफ केस भी दर्ज हो चुका है। दुर्ग और भिलाई के युवाओं को सट्टेबाज बनाने तथा पूरे देश में सट्टेबाजी का जाल बिछाने वालों को संरक्षण देने के नाम पर वसूली करने वालों में उनके सलाहकार विनोद वर्मा भी जांच के घेरे में है। भाजपा ने अब उनकी दुखती रग को दबा दिया है।

तीसरे दिन सौम्या बनी थी उप सचिव

सौम्या चौरसिया को बघेल ने इतनी ताकत दे रखी थी कि उसकी एक आवाज पर बड़े-बड़े मंत्री-अफसर कांप जाते थे, उसी के साथ संबंधों पर भूपेश से सवाल हैं। भाजपा प्रदेश महासचिव संजय श्रीवास्तव ने बघेल से पूछा है कि 540 करोड़ रुपये के कोयला परिवहन घोटाले में सौम्या को पिछले 15 महीनों से जमानत क्यों नहीं मिल पा रही?

सौम्या दिसंबर 2022 से जेल में हैं। यह वही सौम्या हैं जिन्हें भूपेश सरकार में सुपर सीएम कहा जाता था। दोनों के निकट संबंधों को स्पष्ट और स्थापित करने के लिए यह बताया जाता रहा है कि बघेल ने सीएम बनने के तीसरे ही दिन सौम्या को अपना उप सचिव नियुक्त कर दिया था।

इस बयान से गर्माया राजनीतिक पारा

भाजपा का आरोप है कि भूपेश सनातन का अपमान करने वाले अपने पिता नंद कुमार की राह पर चल पड़े हैं। विष्णु को भ्रष्टाचार का भोग और तर्पण वाले बयान के कारण राजनीतिक पारा गर्म हो गया है। बघेल की बेचैनी के और भी कारण हैं।राजीव मितान क्लब और गोबर खरीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से कांग्रेस समर्थक तैयार करने की योजना शिथिल पड़ गई है। बेरोजगारी भत्ते का भुगतान भी नहीं हो रहा है। दूसरी तरफ 3100 रुपये की दर से धान खरीद और एक हजार रुपये की दर से महतारी वंदन का भुगतान शुरू हो गया है।

क्या उलटा पड़ा बघेल का दांव ?

वैसे जातीय आधार पर सामाजिक तोड़फोड़ की राजनीति के माहिर भूपेश को विधानसभा चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर उलट दांव लग चुका है। उनकी जमीन खिसक गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग उठाते समय सवर्ण जातियों पर हमलावर होते हुए वह यह भूल गए थे कि प्रदेश की ओबीसी आबादी में बमुश्किल छह प्रतिशत होते हुए भी अगर कुर्मी मुख्यमंत्री हो सकता है तो ओबीसी में 24 हिस्से प्रतिशत वाला साहू समाज उन्हें क्यों स्वीकार करे।

सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों (ईडब्ल्यूएस) का आरक्षण केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट की सहमति के बाद भी 10 से घटाकर चार प्रतिशत कर दिया। परिणाम यह रहा कि भले ही बघेल गृह जिला दुर्ग से कांग्रेस के चार उम्मीदवार हैं और उनकी सरकार में गृह मंत्री रहे ताम्रध्वज साहू को अपना क्षेत्र छोड़ महासमुंद से मैदान में उतरना पड़ा है।

बघेल स्वयं भी राजनांदगांव से उम्मीदवार हैं, जबकि भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव को बिलासपुर से संसदीय चुनाव में उतारा है। प्रदेश की ओबीसी आबादी में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यादव दूसरे स्थान पर हैं और दुर्ग में साहू आबादी को देखते हुए राजेंद्र साहू को मैदान में उतारा है।

भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुई भूपेश बघेल की बातों में इस बात की स्वीकारोक्ति तो उभर ही आती है कि कांग्रेस कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुए हैं। अब यह विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार की जवाबदेही है कि सच्चाई सामने आए ताकि भ्रष्टाचारी जल्द से जल्द सलाखों के पीछे हों।

अभी तक जेल में हैं ये चेहरे

उधर, कोयला परिवहन घोटाले में सौम्या के साथ ही आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई और रानू साहू के साथ कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, कारोबारी लक्ष्मीकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल आदि अभी तक जेल में हैं। विधायक देवेंद्र यादव और चंद्रदेव राय भी आरोपों के घेरे में हैं। भाजपा के दोबारा सत्ता में आने पर संविधान में बदलाव और लोगों की आमदनी कम हो जाने जैसे बघेल के आरोपों ने भाजपा को आक्रामक कर दिया है।

नशेबाज शिक्षक नौकरी से हाथ धो बैठा

स्कूल में शराब पीते हुए कलेक्टर-डीईओ को भी किया था चैलेंज

बिलासपुर,01 अप्रैल 2024(ए)। जिले के एक सरकारी स्कूल के शिक्षक का बाकायदा स्टाफ के बीच बैठकर शराब पीने का वीडियो वायरल हुआ था। इस शिक्षक को तकाल निलंबित कर दिया गया था। अब विधिवत ढंग से जांच के बाद उसे नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।इस शराबी शिक्षक को कलेक्टर के अनुमोदन के बाद बर्खास्त कर दिया गया है। शिक्षक ने स्कूल में शराब के नशे में कहा था कि जाओ बता दो कलेक्टर को, डीईओ को, मैं किसी से नहीं डरता। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद शराबी शिक्षक को निलंबित कर उस पर एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। अब शराबी शिक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है।

नशे में नहीं,शराब लेकर पहुंचते थे स्कूल

पूरा मामला मस्तूरी विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला मचहा का है। यहां संतोष कुमार केंवट सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। 28 फरवरी को वे स्कूल के समय में शराब लेकर स्कूल पहुंचे थे और प्रातः 10:30 बजे स्कूल के समय वेअशोभनीय हरकत करते हुए महिला प्राचार्य तुलसी गणेश चौहान एवं स्टाफ के सामने बैठकर शराब पीने लगे। उन्होंने साथ में चखना भी रखा था। शराब सेवन कर उनके द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा था कि मैं आज स्कूल में शराब पी रहा हूं, हमेशा शराब पीता हूं, जाओ कलेक्टर, डीईओ जिससे शिकायत करनी है कर दो। मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। वीडियो वायरल होने के बाद शराबी शिक्षक को निलंबित कर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराइ गई थी और विभागीय जांच का आदेश दिया गया था।

जांच में प्रधानपाठिका व समस्त स्टाफ के साथ ही बच्चों ने भी बयान दिया कि संतोष केंवट आए दिन शराब के नशे में स्कूल आते हैं और स्कूल में भी शराब का सेवन करते हैं। घटना के दिन भी वह शराब के नशे में अशोभनीय बातें कर रहे थे और उनके मुंह से शराब की बदबू आ रही थी। संतोष कुमार केंवट के कृत्य को पदीय गरिमा को कलंकित करने वाला व छात्र भविष्य दर्पण को कलंकित करने के साथ ही विभाग की छवि को धूमिल करने वाला मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम) 1966 के दीर्घशास्तियों के अनुक्रम में कलेक्टर अवनीश शरण के अनुमोदन के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया।

अनुकंपा नियुक्ति देने से मना करने पर हाई कोर्ट ने अधिकारी को भेजा नोटिस

अनुकंपा नियुक्ति के लिए परेशान होकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा

बिलासपुर ,01 अप्रैल 2024 (ए)। मूल विभाग से प्रतिनियुक्ति विभाग में सेवाकाल के दौरान आकस्मिक मौत होने पर आश्रित पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति देने से मना करने पर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई के करते हुए जस्टिस ने संबंधित विभाग के प्रबंधक के रवैये पर नाराजगी जाहिर किया और फटकार लगाते हुए नोटिस जारी जवाब मांगा है। सेवाकाल के दौरान पिता की मृत्यु हो जाने के मामले में बेटे को अनुकंपा नियुक्ति देने से मना करने पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ अधोसंरचना विकास निगम के महाप्रबंधक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता गुंजन आदिले के पिता की नियुक्ति राज्य परिवहन निगम में हुई थी। छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के बाद निगम को भंग कर दिया गया था और उनके कर्मचारियों को राज्य अधोसंरचना विकास निगम में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया।इस निगम को राज्य परिवहन निगम की सारी संपत्ति भी सौंप दी गई। इसके बाद अधोसंरचना निगम ने कई कर्मचारियों की अलग-अलग विभाग में पदस्थापना की। याचिकाकर्ता के पिता को जनसंपर्क विभाग में नियुक्ति दी गई थी। सेवाकाल के दौरान उनका निधन हो गया। याचिककर्ता ने अधोसंरचना विकास निगम को आवेदन देकर अनुकंपा नियुक्ति की मांग की। उनका आवेदन यह कहते हुए निरस्त कर दिया गया कि इसका प्रावधान विभाग के सेटअप में नहीं है।

तब अधिवक्ता चंद्रेश श्रीवास्तव के माध्यम से उसने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से भी यही जवाब दिया गया कि निगम में अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान नहीं है। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि करोड़ों की संपत्ति होने के बावजूद कर्मचारियों की मृत्यु के बाद उनके परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति के लिए परेशान होकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है।

जो गंभीर बात है। बेंच ने निगम के एमडी को नोटिस जारी कर जवाब देने के लिए कहा है कि निगम में अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में क्या प्रावधान है यदि नहीं है तो किन कारणों से प्रावधान नहीं किया गया है। कोर्ट ने सेटअप का पूरा ब्यौरा देने कहा है। मामले पर अगली सुनवाई 12 अप्रैल को होगी।

हाई कोर्ट से अनिल टुटेजा और यश टुटेजा को मिली राहत

किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक

बिलासपुर ,01 अप्रैल 2024(ए)। हाई कोर्ट के रोक के बाद फिलहाल अनिल टुटेजा और यश टुटेजा पर एसीबी कार्रवाई से राहत मिल गई है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शराब घोटाले में आरोपी पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और उसके बेटे यश टुटेजा के खिलाफ किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। ज्ञात हो कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान हुए कथित शराब घोटाले की जांच प्रवर्तन निदेशालय ने शुरू की थी, जिसे कुछ दिनों पहले राज्य सरकार की एजेंसी एसीबी और ईओडब्ल्यू को सौंप दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट में पूर्व में शराब घोटाले में ईडी की ओर से दर्ज एफआईआर कार्रवाई पर रोक लगाई जा चुकी थी। एसीबी की जांच शुरू होने पर टुटेजा ने फिर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, मगर शीर्ष कोर्ट हाईकोर्ट जाने के लिए कहा था। हाईकोर्ट में टुटेजा की ओर से दायर याचिका पर आज सुनवाई हुई।

याचिकाकर्ता की ओर से उनके अधिवक्ता राजीव श्रीवास्तव व सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि पूर्व में इसी मामले में नोएडा, यूपी में अपराध दर्ज किया जा चुका है। एक ही मामले में दो अपराध दर्ज नहीं किए जा सकते। सुनवाई के बाद जस्टिस एन के चंद्रवंशी की बेंच ने अगले आदेश तक अनिल टुटेजा व यश टुटेजा के विरुद्ध किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने एसीबी को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है।

छत्तीसगढ़ की महतारियो को 3 अप्रैल को मिलेगी वंदन योजना की दूसरी किश्त

रायपुर,01 अप्रैल 2024(ए)। इस महीने छत्तीसगढ़ की महतारियो को महतारी वंदन योजना की दूसरी किस्त मिलने वाली है। इसी के मद्देनजर छत्तीसगढ़ योजना की दूसरी किस्त मिलने की तारीख सामने आ गई है। इस बार महिलाओं के खाते में 3 अप्रैल को पैसे आ जाएंगे।महिला और बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इसकी जानकारी दी। आगे उन्होंने कहा कि जहां-जहां दिक्कत है, उसको दिखाकर तत्काल पैसे डाले जाएंगे। इस दौरान लक्ष्मी राजवाड़े ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, एक लाख रुपये का फॉर्म भरवा रहे हैं। किस बेस पर एक लाख देंगे। कांग्रेसी सिर्फ धोखा देना जानती है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि 3 अप्रैल को महिलाओं के खाते में महतारी वंदन योजना की दूसरी किस्त आएगी। पैसे डीबीटी के माध्यम से डाले जा रहे हैं. महिलाओं को जो हमने वादा किया था कि सालाना 12 हजार रुपये देंगे। प्रति माह के दर से 1000 रुपये प्रति माह दिया जाएगा।

झूठी रिपोर्ट पेश कर फंसे पीडब्ल्यूडी के एसडीओ

हाईकोर्ट ने थमाया अवमानना नोटिस

बिलासपुर ,01 अप्रैल 2024(ए)। बिलासपुर हाई कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी एसडीओ को अवमानना का नोटिस जारी किया है। बता दें कि 19 मार्च की सुनवाई में गलत जानकारी देने पर नोटिस जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि बिलासपुर एयरपोर्ट बाउंड्रीवाल पूरा होने की जानकारी को कोर्ट ने असत्य माना है। वहीं हवाई सुविधा विस्तार से सम्बंधित दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई है। जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस राधाकृष्ण अग्रवाल की खंडपीठ में सुनवाई हुई। दरअसल, बिलासपुर के बिलासा देवी एयरपोर्ट और हवाई सेवा को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका पुनर्विचार कर सुविधाएं बढ़ाने को लेकर लगी है। बिलासपुर में हवाई सेवा शुरू किए जाने को लेकर पत्रकार ने अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव के माध्यम से हाईकोर्ट में एक पुनर्विचार याचिका दायर की थी। याचिका में सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नियुक्त कोर्ट कमिश्नर एयरपोर्ट में यात्री सुविधाओं के साथ सुरक्षा के लिए किए गए इंतजाम का निरीक्षण किया था। साथ ही कोर्ट में रिपोर्ट पेश की थी। कोर्ट में पीडब्ल्यूडी के एसडीओ ने पूर्व में जानकारी दी थी कि एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए रनवे और इससे जुड़ी दूसरी जगह पर बाउंड्री वॉल तैयार कर दिया गया है। लेकिन कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट से कोर्ट को यह पता चला कि बाउंड्री वॉल का काम पूरा नहीं हुआ है और कोर्ट को गलत जानकारी दी गई।

शराब प्रेमियों को लगा बड़ा झटका

छत्तीसगढ़ में आज से महंगी हुई शराब

रायपुर,01 अप्रैल 2024(ए)। आज 1 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के शराब प्रेमियों को बड़ा झटका लगा है। आज से शराब की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है। नई आबकारी नीति के तहत शराब की कीमत बढ़ाई गई है। नई नीति के तहत प्रदेश में अब आज से क्वार्टर में 10 रुपये और बोतल में 40 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार के सभी सेस हटाए और नई नीति के तहत शराब की कीमतों में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है।इस नई नीति के अनुसार शराब की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे गौठान के विकास के लिए लिए कोरोना के समय में लगाए गए सभी टैक्स हटाए जाने और अधोसंरचना विकास के लिए आवश्यक निवेश का कारण बताया गया है।

छत्तीसगढ़ में नई नीति के अनुसार, शराब की बढ़ी हुई कीमतें आज से ही लागू हो गई है। वर्ष 2024-25 के लिए देशी मदिरा मसाला और प्लेन के लिए फुटकर विक्रय दर तय कर दी गई है।

अब से सुबह लगेगी क्लास,आदेश जारी

रायपुर,01 अप्रैल 2024(ए)। इन दिनों छत्तीसगढ़ में तपती धूप और चिलचिलाती गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गर्मी के बढ़ते क्रम को देखते हुए प्रदेशभर के स्कूलों के समय में बदलाव किया गया हैइस सम्बन्ध में स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश भी जारी कर दिया है और प्रदेश के सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी कर स्कूल के समय में बदलाव कर नये समय में स्कूल संचालित करने के लिए निजी व शासकीय स्कूल के प्राचार्यों को आदेश दिया है।जारी आदेश के अनुसार अब सुबह 7.30 बजे से दोपहर 11.30 बजे तक स्कूल संचालित होगा। वहीं परीक्षा आयोजन के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। परीक्षा की समय सारिणी में जो समय निर्धारित किया गया था उसी दिन और समय में परीक्षा संचालित होगी।

जेपी नड्डा 5 अप्रैल तो पीएम मोदी 8 अप्रैल को आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर,01 अप्रैल 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही राजनीतिक पार्टियों की तैयारियां तेज हो गई है। इसी कड़ी में प्रचार-प्रसार के लिए अब राष्ट्रीय नेताओं का छत्तीसगढ़ में आना शुरू होने वाला है। सीएम साय तो काफी दिनों से अलग-अलग जिले में जाकर सभाएं कर रहे हैं। अब पीएम मोदी से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी यहां पर आएंगे।

8 अप्रैल को पीएम मोदी छत्तीसगढ़ आने की खबर है। जहां वे बस्तर में एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। वहीं 5 अप्रैल को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की सभा बस्तर में हो सकती है।

मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी,एक नक्सली ढेर

सुकमा,01 अप्रैल 2024 (ए)। पिछले कुछ समय से नक्सलियों क्षेत्रों में नक्सलियों का आतंक तेज हो गया है। इसी बीच जवानों को मुठभेड़ में सफलता हासिल हुई है। दरअसल नक्सलियों और पुलिस मुठभेड़ में पुलिस ने एक नक्सली को मार गिराया है। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की सर्चिंग के दौरान 1 पुरूष माओवादी का शव बरामद किया गया है। इसके अलावा 1 नग बीजीएल राइफल, भारी मात्रा में बीजीएल सेल और अन्य नक्सल सामग्री भी जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार 31 मार्च को जिला सुकमा और तेलंगाना के सीमावर्ती क्षेत्र में डीआरजी, बस्तर फाईटर्स और 208 कोबरा की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थी। भियान के दौरान 1 अप्रैल को सुबह लगभग 7:20 बजे तेंलगाना के सीमावर्ती ग्राम पेसेलपाड़ और दोरामंगू के मध्य जंगल में पहाड़ी में डीआरजी, बस्तर फाईटर्स,208 कोबरा और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक नक्सली मारा गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)